संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 177
पृष्ठ 8
बुधवार
18 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अगर आपको भी मधुमेह या...

विचार- राष्ट्रीय राजनीति भी तय करेंगे...

खेल- मलिंगा-कोहली या गेल नहीं...

सीएम योगी ने पूर्व सीएम को दी श्रद्धांजलि

लोकप्रिय राजनेता व कुशल प्रशासक थे हेमवती नंदन बहुगुणा

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने इस राज्य के विकास को एक नयी ऊंचाई प्रदान की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां हेमवती नंदन बहुगुणा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद कहा, ''हेमवती नंदन बहुगुणा ने स्वतंत्र भारत में एक जनप्रतिनिधि, प्रदेश सरकार में मंत्री, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के रूप में अनेक उल्लेखनीय कार्य किये। उन्होंने उत्तर प्रदेश

के विकास को एक नयी ऊंचाई प्रदान की और प्रयागराज को एक नयी पहचान दी।''

उन्होंने कहा, ''आज हेमवती नंदन बहुगुणा भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा प्रारंभ किया गया कार्य, उनके द्वारा जनप्रतिनिधि, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री के रूप में जो कुछ भी किया गया, वह समाज के प्रत्येक तबके, देश की समृद्धि और आम जन के कल्याण के लिए उदाहरण है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हेमवती नंदन बहुगुणा का जन्म तत्कालीन उत्तर प्रदेश और वर्तमान में उत्तराखंड के पौड़ी जिले के एक छोटे–से गांव में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा गांव में अर्जित कर उन्होंने आगे की शिक्षा के लिए प्रयागराज की भूमि को चुना। वह आजादी की लड़ाई में छात्र नेता के रूप में शामिल हुए और सामाजिक जनजागरुकता और राष्ट्रीय चेतना को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने लगातार प्रयास किए।''

इस मौके पर योगी आदित्यनाथ के साथ उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पूर्व सांसद और पूर्व मंत्री रीत बहुगुणा (हेमवती नंदन बहुगुणा की पुत्री) और पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉ. अम्मार रिजवी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे। बहुगुणा का जन्म 25 अप्रैल 1919 को अविभाजित उत्तर प्रदेश के पौड़ी गढ़वाल में हुआ और 17 मार्च 1989 को उनका निधन हो गया। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता रहे और बाद में लोक दल में शामिल हो गये। वह स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख योद्धा थे और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उन्हें अंग्रेजी हुकूमत ने चार वर्षों तक जेल में रखा।

बच्चों को पौष्टिक भोजन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलना जरूरी है : राष्ट्रपति मुर्मू

नयी दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं और यह आवश्यक है कि उन्हें पौष्टिक भोजन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आसानी से उपलब्ध हो। मुर्मू ने कहा कि बच्चों के लिए एक सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य केवल सरकार की नहीं बल्कि सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, श्शजब शिक्षक, माता–पिता, सामाजिक संगठन, कॉर्पोरेट जगत और समाज के सभी वर्ग मिलकर काम करते हैं, तभी हम आने वाली पीढ़ी के लिए एक मजबूत नींव रखते हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक भोजन, अच्छा स्वास्थ्य और स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिले। ये मूलभूत तत्व बच्चों के सर्वांगीण विकास को संभव बनाते हैं। मुर्मू यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा भोजन के पांच अरब पैकेट वितरण के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि यह अक्षय पात्र फाउंडेशन की एक सराहनीय उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का विषय श्एक समृद्ध और शिक्षित भारत से एक विकसित भारत की ओरश है, जो वर्ष 2047 तक श्विकसित भारतश के निर्माण के हमारे राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने के महत्व को रेखांकित करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह आवश्यक है कि बच्चों को पौष्टिक भोजन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आसानी से उपलब्ध हो, जो राष्ट्र का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा वह साधन है जो किसी व्यक्ति के जीवन में उपलब्ध अवसरों को निर्धारित करती है और उनकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, श्यह परिवर्तन और सशक्तीकरण का एक प्रभावी माध्यम है। सशक्तीकरण और दक्षता निर्माण की प्रक्रिया बच्चों के स्कूल जाना शुरू करने के क्षण से ही आकार लेना शुरू कर देती है। स्कूल बच्चों को रोजमर्रा की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने और जिम्मेदार, कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव प्रदान करता है।

टीएमसी ने जारी 291 उम्मीदवारों की लिस्ट, भवानीपुर में होगा शुभेंदु अधिकारी बनाम ममता बनर्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 291 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए। ममता बनर्जी भवानीपुर से चुनाव लड़ेंगी। उम्मीदवारों की घोषणा के पहले ही पल ममता बनर्जी ने अकेले ही भाजपा को चुनौती दी। उन्होंने कहा, यह लड़ाई बंगाल के अस्तित्व को बचाने की लड़ाई है। इस चुनाव में बंगाल की जनता की जीत होगी। और भाजपा के हाथ कुछ नहीं बचेगा। उन्होंने चुनाव आयोग को मेघनाद कहकर उसका मजाक उड़ाया। उन्होंने पूरक सूची पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल इस बार चुनाव में 226 से अधिक सीटें जीतेगी। इस बार तृणमूल का टिकट किसे मिलेगा? कई अटकलों में अलग–अलग नाम सामने आए हैं। तृणमूल से मिली अंदरूनी जानकारी के अनुसार, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी इस बार विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों के चयन में युवा नेताओं और उभरते सितारों पर विशेष भरोसा जताने वाली हैं। पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि उम्मीदवारों की सूची में कई नए चेहरे शामिल हो सकते हैं। आखिरकार, सारा इंतजार और अटकलें खत्म हो गईं। तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए 144 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की। भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सीट कोलकाता के भवानीपुर से नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को मैदान में उतारा है। पार्टी द्वारा जारी सूची के मुताबिक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को खड़गपुर सदर से, बिमान महतो को सालबनी से और दक्षिण कोलकाता की रासबिहारी सीट से स्वपन दासगुप्ता को टिकट दिया गया है। भाजपा ने सुमिता सिन्हा को पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांथी उत्तर से, बिमान घोष को हुगली जिले के पुरसुराह से और माधवी महलदर को दक्षिण 24 परगना जिले के कुलतली से मैदान में उतारा है। सूची के मुताबिक, अनिमा दत्ता को नदिया जिले के पलाशीपाड़ा से, जबकि लक्षिकांत साहू को झाड़ग्राम से टिकट दिया गया है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने 2021 में हुए उपचुनाव में भवानीपुर से जीत हासिल की थी।

सरकार की एलपीजी प्रयोग में किफायत बरतने की अपील

अफवाहों से बचें, घबराएं नहीं, घर पर ही मिलेगा सिलिंडर

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में हालिया घटनाक्रमों के कारण वैश्विक आपूर्ति शृंखला में पैदा हुई चिंताओं के बीच, भारत के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ऊर्जा सुरक्षा पर एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि वर्तमान में देश के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। हालांकि, सरकार ने देश में आम लोगों से एलपीजी के मसले पर अफवाहों से बचने की अपील की है। उन्होंने लोगों से कहा है कि वे घबराएं नहीं। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने दावा किया है लोग पैनिक न करें। बुकिंग के बाद उनके घर पर ही मिलेगा सिलिंडर की डिलिवरी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने लोगों से कहा कि वे एलपीजी के इस्तेमाल में किफायत बरतने की कोशिश करें और संभव तो हो पीएनजी का इस्तेमाल शुरू करें। पश्चिम एशिया में चल रहे भू–राजनीतिक संघर्ष के बीच भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति शृंखला, नागरिकों की सुरक्षा और बाजार स्थिरता को लेकर कड़े कदम उठाए हैं। एक तरफ जहां विदेश मंत्रालय वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए कूटनीतिक प्रयास कर रहा है, वहीं पेट्रोलियम और शिपिंग मंत्रालयों ने घरेलू स्तर पर ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स के सुचारू संचालन का भरोसा दिया है। आपूर्ति को बाधित करने वाले तत्वों पर भी देशव्यापी कार्रवाई तेज कर दी गई है। ऊर्जा आपूर्ति और कूटनीतिक पहल पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने साफ किया है कि देश में पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।। प्राकृतिक गैस की खपत को लेकर उन्होंने बताया कि सरकार के प्रयासों के तहत कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं का पीएनजी में शिफ्ट होना अधिक फायदेमंद होगा।

एलपीजी जमाखोरों पर देशव्यापी कार्रवाई बाजार में ईंधन की कृत्रिम कमी रोकने के लिए सरकार ने प्रवर्तन कार्रवाई तेज कर दी है। सुजाता शर्मा के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में देश भर में लगभग 12,000 छापेमारी की गई हैं, जिनमें 15,000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। वैश्विक मंच पर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जानकारी दी है कि विदेश मंत्री ने ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि काजा कलास के निमंत्रण पर ईयू विदेश मामलों की परिषद की बैठक में हिस्सा लिया।। इस बैठक में पश्चिम एशिया के हालात और ऊर्जा सुरक्षा पर इसके प्रभाव पर विशेष चर्चा की गई, तथा संघर्ष को जल्द समाप्त करने के लिए कूटनीति की आवश्यकता पर बल दिया गया।

शिपिंग ऑपरेशंस और नाविकों की सुरक्षित वापसी आपूर्ति शृंखला और नागरिकों की सुरक्षा को लेकर शिपिंग मंत्रालय के राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक और जहाज पूरी तरह सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटों में दूतावासों के समन्वय से 161 भारतीय नाविकों को सुरक्षित भारत वापस लाया गया है। ऊर्जा आयात के मोर्चे पर, दूसरा एलपीजी कैरियर नंदा देवी आज तड़के 2:30 बजे कांडला पहुंच गया है। शिवालिक व नंदा देवी दोनों जहाजों से कार्गो डिस्चार्ज किया जा रहा है और बंदरगाह पर कार्गो संचालन को सुव्यवस्थित किया गया है। इसके साथ ही, जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह (जेएनपीए) की सड़क पर 450 कंटेनरों के पड़े होने की खबर को निराधार बताते हुए स्पष्ट किया गया है कि सभी कंटेनर तय नीति के अनुसार कंटेनर फ्रेट स्टेशनों (सीएफएस), गोदामों और फैक्ट्री परिसरों में सुरक्षित हैं।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग पर कांग्रेस सख्त

नई दिल्ली,एजेंसी। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कांग्रेस पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया है। 16 मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के तीन विधायकों रमेश जेना, दशरथी गोमांगो और सोफिया फिरदौस ने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय को वोट दिया था, जिसके चलते कांग्रेस और बीजद के संयुक्त उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस ने तीनों बागी विधायकों को निलंबित करते हुए कहा कि इन विधायकों ने पार्टी के आधिकारिक व्हिप का उल्लंघन किया है, जो पार्टी अनुशासन का गंभीर उल्लंघन है। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बयान जारी कर कहा, तीनों विधायकों ने न सिर्फ पार्टी के निर्देशों को नहीं माना बल्कि पार्टी और इसकी विचारधारा के हितों के खिलाफ काम किया। इसका संज्ञान लेते हुए तीनों विधायकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिए हैं कि तीनों पर आगे भी कार्रवाई की जा सकती है और इन्हें पार्टी से निष्कासित करने पर भी विचार किया जा सकता है। कांग्रेस मीडिया सेल के अध्यक्ष अरबिंद दास ने बताया कि मामले की समीक्षा की जा रही है। ओडिशा कांग्रेस के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की पुष्टि करते हुए कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी इसकी जानकारी दी गई है। भक्त चरण दास ने विधायकों के क्रॉस वोटिंग करने पर हैरानी जताई और कहा कि उन्हें इसकी जरा भी उम्मीद नहीं थी। भक्त चरण दास ने कहा कि बागी विधायकों को विधानसभा में पार्टी के अन्य विधायकों के साथ बैठने की इजाजत नहीं होगी।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

तीन माह से बड़े बच्चों को गोद लेने वाली महिलाओं को भी मैटरनिटी लीव

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बच्चे गोद लेने वाली माताओं के लिए एक बड़ा और अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि गोद लेने वाली महिलाओं को जन्म देने वाली माताओं के समान ही मातृत्व लाभ प्राप्त करने का अधिकार है। कोई महिला चाहे कितने भी महीने का बच्चा गोद क्यों न ले, उसे 12 हफ्ते की मातृत्व अवकाश मिलना चाहिए। बता दें कि इसे पहले 2020 की सामाजिक सुरक्षा संहिता की धारा 60(4) कहती थी कि केवल तीन महीने से छोटे बच्चों को गोद लेने वाली माताओं को ही 12 हफ्ते की छुट्टी मिलेगी। इससे बड़े बच्चे को गोद लेने वाली माताओं को मातृत्व लाभ नहीं मिलता था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अनुचित और संविधान के

अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन बताया। आइए जानते हैं कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में क्या–क्या कहा?

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि केंद्र सरकार पितृत्व अवकाश को भी सामाजिक सुरक्षा का हिस्सा मानते हुए कानून में शामिल करे। इसका मतलब है कि अब पिता को भी बच्चे की देखभाल के लिए छुट्टी मिल सकेगी।

यह फैसला उस याचिका पर आया जिसमें अधिवक्ता हंसानंदिनी नंदूरी ने चुनौती दी थी। कर्नाटक की वकील हंसानंदिनी नंदूरी ने इस प्रावधान को चुनौती दी थी।

केंद्र ने छह शहरों से शुरू की समय बचाने वाली दो स्पीड पोस्ट सेवाएं

नई दिल्ली,एजेंसी। डाक विभाग ने छह बड़े शहरों में 24 स्पीड पोस्ट सेवा शुरू की है। इसमें अगले दिन डिलीवरी की गारंटी और देरी होने पर पैसे वापसी की सुविधा मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इसे ई–कॉमर्स के बढ़ते बाजार और डाक विभाग पर लोगों के भरोसे को और मजबूत करने वाला कदम बताया है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने डाक विभाग की नई प्रीमियम सेवाओं की शुरुआत की है। इन सेवाओं के नाम 24 स्पीड पोस्ट, 24 स्पीड पोस्ट पार्सल और 48 स्पीड पोस्ट रखे गए हैं। इनका मुख्य उद्देश्य समय पर पहुंचने वाले जरूरी सामान की डिलीवरी को और तेज करना है। इस मौके पर केंद्रीय संचार मंत्री ग्रामीण डाक सेवा की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इंडिया पोस्ट के पास दुनिया का सबसे बड़ा और गहरा नेटवर्क है। देश के 6.5 लाख गांवों की हर तहसील और तालुका में लोग परिवार के किसी सदस्य से भी बढ़कर किसी पर भरोसा करते हैं, तो वह ग्रामीण डाक सेवा है। उनके अनुसार, यह इंडिया पोस्ट के लिए एक नई शुरुआत का पल है। मंत्री ने यह भी बताया कि आज देश के आखिरी छोर तक स्मार्टफोन पहुंच चुका है। ई–कॉमर्स का बाजार बहुत तेजी से बढ़ रहा है। अभी यह बाजार 11 लाख करोड़ रुपये का है।

मार्च माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता विचार मंच छत्तीसगढ़ के जगदलपुर इकाई की आदरणीया रेणुका पटेल जी को दिया जाएगा

प्रयागराज । हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति सम्मान मार्च 2026 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी जगदलपुर इकाई से आदरणीया रेणुका पटेल जी को दिया जाएगा। रचनाकार रेणुका पटेल जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30–35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

यौन शोषण के आरोप में पिता पर एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। थाना क्षेत्र में चार बेटियों के साथ यौन शोषण के आरोप के मामले में पुलिस ने सोमवार को आरोपी पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। बड़ी बेटी की तहरीर पर दर्ज एफआईआर में चार बेटियों के साथ यौन शोषण करने और विरोध करने पर मारपीट करने के आरोप लगाए गए हैं। बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा बड़ी बेटी रविवार को अपनी मां के साथ थाने पहुंची थी और पिता पर गंभीर आरोप लगाए थे। पीड़िता के अनुसार, आरोपी पिता वर्ष 2017 से उसके साथ यौन शोषण कर रहा था। सोमवार को बड़ी बेटी की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई। इंस्पेक्टर मांडा अनिल वर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

शादी वाले घर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, गृहस्थी राख

प्रयागराज। मेजा के बिगहना गांव में रविवार आधी रात एक शादी वाले घर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग से गृहस्थी का सामान राख हो गया। मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड ने आग पर काबू पाया। मेजा थाना क्षेत्र के समोगरा गांव के राजेश कुमार गुप्ता के बड़े बेटे रितेश की शादी 30 अप्रैल को होनी है। शादी की तैयारी के लिए परदेस में रह रहे राजेश कुमार गुप्ता घर आए हैं। रविवार रात दस बजे राजेश परिजनों संग खाना खाकर सो गए। आधी रात शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग से धुंआ निकलना शुरू हुआ तो परिजनों की नींद खुल गई। परिजन बाहर निकलकर आग बुझाने में जुट गए लेकिन आग बढ़ती ही गई। कुछ ही देर में पुलिस के साथ फायर बिग्रेड कर्मी मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गए। लेकिन तब तक घर–गृहस्थी जलकर पूरी तरह से नष्ट हो गई थी। राजेश गुप्ता ने बताया कि आग से करीब डेढ़ लाख रुपये नकद के साथ करीब दो लाख के आभूषण एवं अन्य सामान रखे गए थे। सब कुछ जलकर राख हो गया।

एटीएम पर मदद के बहाने कार्ड बदलकर 20 हजार उड़ाए

प्रयागराज। कस्बे के विभिन्न बैंकों के एटीएम बूथों पर बदमाशों की सक्रियता बढ़ती जा रही है। मदद के बहाने लोगों के डेबिट कार्ड बदलकर ठगी करने के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामले में ठगों ने एक युवक का डेबिट कार्ड बदलकर उसके खाते से 20 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। फूलपुर के परासिनपुर गांव निवासी मो. आजम सोमवार दोपहर करीब 12 बजे फूलपुर कस्बे में स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम बूथ पर रुपये निकालने गए थे। दो बार प्रयास करने के बावजूद जब रुपये नहीं निकले तो वहां खड़े तीन अज्ञात युवकों ने मदद करने का बहाना बनाकर उनका डेबिट कार्ड बदल लिया। घर पहुंचने के कुछ देर बाद ही उनके मोबाइल पर खाते से 20 हजार रुपये निकलने का मैसेज आया। मैसेज देखते ही उनके होश उड़ गए। इसके बाद उन्होंने तत्काल फूलपुर कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। इधर, भाजपा नेता राजकुमार कश्यप ने भी एटीएम बूथों पर ठगी के प्रयास की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले वह भी एक एटीएम से पैसे निकालने गए थे। मशीन से रुपये निकलने का मैसेज तो आया, लेकिन रुपये बाहर नहीं आए। ध्यान से देखने पर पता चला कि मशीन के कैश आउटलेट पर पतली टेप चिपकाई गई थी। सतर्कता बरतने से उनका पैसा बच गया।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

प्रयागराज। इलाके के सेवायत मार्ग पर रविवार देर शाम ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सोरांव पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने सोमवार शाम शव का रसूलाबाद घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया प्रमोद कुमार पुत्र राम खेलावन निवासी राजापुर ने रविवार को सोरांव थाने में शिकायती पत्र देकर बताया कि उसका भतीजा आयुष मौर्य (25) जरूरी काम से सेवायत जा रहा था। जैसे ही वह एक आरा मिल के पास पहुंचा कि ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इससे वह घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सोरांव सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक तीन भाइयों में बड़ा था। वह मेडिकल स्टोर में काम करता था। पुलिस ने चालक आशीष कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया है।

दो करोड़ के कार्य का प्रस्ताव मांगा गया

प्रयागराज। ब्लॉक सभागार में सोमवार को होलागढ़ क्षेत्र पंचायत की बैठक ब्लॉक प्रमुख राम फकीर की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान बताया गया कि 87 लाख से अधिक के विकास कार्य कराया गया है। इनमें कुछ कार्य प्रगति पर है। अग्रिम धनराशि के रूप मे 22 लाख की किस्त प्राप्त हो चुकी है। इसके अलावा दो करोड़ के कार्य का प्रस्ताव आमंत्रित किया गया। लघु सिंचाई विभाग रविशंकर ने बताया कि मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना, सोलर पैनल, सोलर पंपिंग सेट योजनाओं के बारे में बताया। खंड विकास अधिकारी कविता तिवारी ने बताया कि यदि कोई भी किसान फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराता तो तत्काल करवा लें। कार्यक्रम का संचालक एडीओ कृषि मनीष अग्रहरि ने किया। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने सदस्यों से कहा कि जल निकासी कि यदि समस्या हो तो प्रस्ताव जरूर दें। इस मौके पर दिनेश चौरसिया, राकेश पांडेय, राधाकांत शुक्ल और बुंदेल सिंह आदि लोग रहे।

सर्दी–जुकाम और बुखार के मरीज बढ़े

प्रयागराज। सीएचसी मेजा में सोमवार को सर्दी–जुकाम के साथ बुखार के मरीजों की संख्या अधिक रही। सीएचसी मेजा के अधीक्षक डॉ. शमीम अख्तर ने बताया कि सोमवार को 274 मरीजों की ओपीडी हुई। जिसमें ज्यादातर मरीज सर्दी–जुकाम के साथ बुखार से पीड़ित रहे। कई मरीजों का ब्लड भी चेक कराया गया है। हालांकि, सर्दी–जुकाम के मरीजों को दवा दी गई है। गुनई के मरीज राघव प्रसाद ने बताया कि कई दिनों से सर्दी–जुकाम से पीड़ित हूं। बुखार भी आ रहा है।

दुघरा से खिजिरपुर मार्ग पर गड्ढों से परेशानी

प्रयागराज। क्षेत्र के दुघरा गांव से खिजिरपुर गांव को जोड़ने वाला मार्ग बदहाल है। इस पर बड़े–बड़े गड्ढे होने के कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के समय में इन गड्ढों में पानी भर जाने से खतरा और बढ़ जाता है। इससे बाइक चालक घायल हो जाते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि 20 वर्ष पहले यह सड़क बनी थी। इसके बाद से मरम्मतीकरण नहीं कराया गया।

आईआरसीटीसी ने लॉन्च किया कश्मीर का पैकेजः पांच रात छह दिन का सफर

प्रयागराज। 22 अप्रैल तक चलने वाली इस यात्रा में पर्यटकों को श्रीनगर, सोनमर्ग, पहलगाम और गुलमर्ग की खूबसूरत वादियों की सैर कराई जाएगी। इसके लिए लोगों को लखनऊ पहुंचना होगा। वहां से सारा इंतजाम आईआरसीटीसी का रहेगा।

गर्मियों में कश्मीर की वादियों और बर्फीले पहाड़ों के बीच सुकून के पल बिताना चाहते हैं, तो भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) आपके लिए एक शानदार मौका लेकर आया है। आईआरसीटीसी ने जन्नत–ए–कश्मीर हवाई टूर पैकेज लॉन्च किया है। पांच रात और छह दिन का यह सफर 17 अप्रैल से शुरू होगा।

22 अप्रैल तक चलने वाली इस यात्रा में पर्यटकों को श्रीनगर, सोनमर्ग, पहलगाम और गुलमर्ग की खूबसूरत वादियों की सैर कराई जाएगी। इसके लिए लोगों को लखनऊ पहुंचना होगा। वहां से सारा इंतजाम आईआरसीटीसी का रहेगा। लखनऊ से श्रीनगर आने–जाने की व्यवस्था फ्लाइट के जरिये की गई है। इस पैकेज में यात्रियों के ठहरने के लिए थ्री स्टार होटल और पारंपरिक हाउस बोट की व्यवस्था रहेगी। वहां डल झील, शंकराचार्य मंदिर, मुगल गार्डन, गुलमर्ग की गोंडोला केबल कार और बेताब घाटी जैसे प्रसिद्ध स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। पैकेज की बुकिंग पहले आओ–पहले पाओ के आधार पर होगी। यात्रा का खर्च (प्रति व्यक्ति) 68,800 रुपये रहेगा। मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि इस पैकेज की बुकिंग आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट पतबजबजवनतपेउ. बवउ पर जाकर की जा सकती है। इसमें दो व्यक्तियों के साथ ठहरने पर किराया 52,300, तीन व्यक्तियों के साथ ठहरने पर किराया 49,950 रुपये रहेगा।

बाजार में आग लगने से मचा हड़कंप, तीन दुकानें जलकर हुई खाक, 50 लाख से अधिक का नुकसान

प्रयागराज। नई बाजार में रहने वाले आनंद केसरवानी व गुलाब केसरवानी की बर्तन व किराने की दुकान है। मंगलवार भोर में करीब तीन बजे अचानक दुकान से आज की लपटे उठने लगी। नैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत मिर्जापुर राजमार्ग स्थित नई बाजार में मंगलवार भोर में आग लगने से तीन दुकानें जलकर राख हो गई। नई बाजार में रहने वाले आनंद केसरवानी व गुलाब केसरवानी की बर्तन व किराने की दुकान है। मंगलवार भोर में करीब तीन बजे अचानक दुकान से आज की लपटे उठने लगी।

वहां से गुजर रहे एक बाइक सवार ने दुकान से आग की लपटे उठता देख अंदर सो रहे गुलाब केसरवानी व उनकी पत्नी विमला केसरवानी को जागते हुए बाहर निकाला। इसके बाद उसने आस पड़ोस के लोगों को आवाज देते हुए, इसकी सूचना फायर ब्रिगेड में दी।

सूचना के 20 मिनट बाद पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने डेढ़ घंटे की कड़ी में मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पीड़ित दुकानदारों के अनुसार आग लगने के कारण पूरी दुकान जल की राख हो गई है। आग के कारण लगभग 50 लाख से अधिक का नुकसान हुआ है।

गैस सिलिंडर की किल्लत बरकरार, सख्ती पर तलाश रहे पासबुक

प्रयागराज। रसोई गैस की आपूर्ति अभी तक पूरी तरह पटरी पर नहीं लौटी है। लगातार पांचवे दिन सोमवार को झूंसी की गैस एजेंसी और गोदाम पर उपभोक्ताओं की भीड़ रही। घंटों लंबी लाइन में लगने के बाद ही लोगों को गैस सिलिंडर मिल पाया। गंगापार की आवासीय कॉलोनियों के अलावा सुदूर गांव से आकर महिलाएं भी खाली सिलिंडर के साथ एजेंसियों के बाहर लाइन में लग रही हैं।

झूंसी की इंडेन गैस एजेंसी से गंगापार के 40 हजार उपभोक्ता जुड़े हुए हैं। सोमवार को झूंसी के एजेंसियों में पहले टोकन मिला और बाद में गोदाम में लाइन में लगकर सिलिंडर मिल सका।

ज्यादा समस्या उन उपभोक्ताओं को हो रही हैं जिनके गैस सिलिंडर के पासबुक गायब हो चुके हैं। उन्हें अपना कनेक्शन नंबर पता करने के लिए एजेंसियों का चक्कर काटना पड़ रहा है। रसोई गैस के लिए लगी भीड़ के आगे उनकी कोई सुनवाई नहीं हो पा रही है। झूंसी निवासी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि इंडेन गैस कंपनी का उनके घर में दो कनेक्शन हैं। तीन–चार साल से बिना बुकिंग किए ही हॉकर घर गैस पहुंचा देते थे। आसानी से गैस मिलने के कारण पासबुक की कभी जरूरत ही नहीं पड़ी। अब बिना बुकिंग के गैस नहीं मिल रहा है।

पासबुक भी घर में तलाशने पर नहीं मिल पाया है। सप्ताह भर से एजेंसी का चक्कर काट रहे हैं लेकिन कनेक्शन नंबर बताने वाला कोई नहीं है।

अंडरपास निर्माण न होने पर हंगामा, रेलवे अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी

प्रयागराज। बेलहाबाध गांव के सामने रेलवे अंडरपास का निर्माण न होने से नाराज ग्रामीणों ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर रेलवे अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जताई और जल्द अंडरपास निर्माण की मांग उठाई।

ग्रामीणों का आरोप है कि वाराणसी–प्रयागराज रेलवे मार्ग के दोहरीकरण का कार्य बीते चार वर्षों से चल रहा है। दोहरीकरण कार्य शुरू होने के दौरान ही ग्रामीणों ने यहां आवागमन की सुविधा बनाए रखने के लिए रेलवे अंडरपास निर्माण की मांग की थी। उस समय रेलवे अधिकारियों ने अंडरपास बनवाने का आश्वासन भी दिया था, लेकिन अब दोहरीकरण का कार्य लगभग पूरा होने को है और अंडरपास का निर्माण अभी तक शुरू नहीं कराया गया है।

इससे नाराज ग्रामीण सोमवार को बड़ी संख्या में एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन करने लगे और रेलवे विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों ने रेलवे अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर तत्काल अंडरपास निर्माण शुरू कराने की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि बेलहाबाध गांव के सामने अंडरपास बनने से भोगवारा, वरुण बाजार, सराय हरीराम, उग्रसेनपुर, खोजापुर, लतीफपुर सहित आसपास के कई गांवों के हजारों लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। विरोध प्रदर्शन के दौरान धर्मेंद्र शुक्ला, बब्बे यादव, हरिश्चंद्र यादव, क्षेत्र पंचायत सदस्य लाल बहादुर यादव, अमित कुमार, अरुण शुक्ला, शोभनाथ पाल, धर्मराज पाल, ज्ञानचंद पाल, लालमणि, छोटेलाल, भोला पटेल तथा ग्राम प्रधान मंजू देवी आदि मौजूद रहे।

तेज रफ्तार टैंकर ने बाइक सवार को मारी टक्कर, घायल

प्रयागराज। बहरिया थाना क्षेत्र के करकटेपुर चौराहे पर तेज रफ्तार दूध टैंकर की टक्कर से एक बाइक सवार घायल हो गया। हादसे के बाद लोगों की भीड़ जुट गई। सैदाबाद निवासी शिव कुमार जैसवाल बाइक से करनाईपुर की ओर से प्रतापगढ़ के दुर्गागंज गांव स्थित अपने रिश्तेदार के यहां जा रहा था। जैसे ही वह करकटेपुर चौराहे के पास पहुंचा, तभी तेज रफ्तार दूध टैंकर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे बाइकसवार गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार टैंकर चालक की तलाश की जा रही है।

दुर्घटना में घायल युवक की अस्पताल ले जाते समय मौत

प्रयागराज। लाला बाजार में रविवार की शाम हाईवे पर अज्ञात वाहन के चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल युवक की शहर के अस्पताल में ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। हंडिया थाना क्षेत्र के तारागांव निवासी अरविंद यादव परिषदीय विद्यालय में शिक्षक हैं। उनके दो बेटों में बड़ा बेटा नीरज यादव (31) गांव में ही निजी विद्यालय चलाता था। छोटा बेटा धीरज तहसील में अधिवक्ता हैं। रविवार को नीरज हंडिया कस्बा में निर्माणाधीन मकान पर गया था। शाम 6 बजे के करीब वह बाइक से वापस घर लौट रहा था। हाईवे पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह घायल हो गया था। सूचना पाकर पुलिस और परिजन मौके पर पहुंच गए। उसे सीएचसी उपरदहां के बाद एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। डेढ़ साल पहले नीरज की शादी हुई थी। पत्नी शीबू तथा माता रमा देवी पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। कोतवाल नितेंद्रकुमार शुक्ल ने बताया कि अज्ञात वाहन और चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दुष्कर्म पीड़िता की अश्लील फोटो और ऑडियो वायरल करने में दरोगा को दोबारा भेजा जेल

प्रयागराज। दुष्कर्म पीड़िता का एडिट अश्लील फोटो और कथित ऑडियो वायरल करने के आरोप में सोमवार को आरोपी दरोगा नरेश यादव को दोबारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। सवा महीने पहले भी आरोपी दरोगा नरेश यादव को दुष्कर्म पीड़िता को धमकाने के आरोप में गिरफ्तार कर चालान किया गया था। शहर के कीडगंज थाना क्षेत्र निवासी दुष्कर्म पीड़िता को ब्लैकमेल करने और धमकी देने के आरोपी लाइन हाजिर एवं बाद में गैर जनपद तबादला किए जाने वाले दरोगा नरेश यादव को 30 जनवरी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। आरोप है कि जेल से छूटने के बाद आरोपी दरोगा दोबारा दुष्कर्म पीड़िता को परेशान करने लगा। दरोगा नरेश यादव दुष्कर्म पीड़िता की एडिटेड अश्लील फोटो और कथित ऑडियो जगह–जगह वायरल कर रहा था। एसओ झूंसी महेश मिश्र ने बताया कि दो दिन पहले दुष्कर्म पीड़िता ने दोबारा दरोगा और आरोपी की शिकायत की थी। उसे ब्लैकमेल करने के साथ ही जान से मारने की धमकी,प्राथमिकी वापस लेने और समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा है। दरोगा पर आरोप लगाया कि उसने झूंसी स्थित उसके घर पर जाकर पूरे परिवार को झूठे केस में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी। इस पर पुलिस ने तफ्तीश की तो आरोप सही पाए गए। इसमें पूर्व में दर्ज की गई प्राथमिकी में अन्य धाराएं बढ़ाकर आरोपी दरोगा नरेश यादव को सोमवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। एसीपी झूंसी विमल किशोर मिश्र ने बताया कि दुष्कर्म पीड़िता ने दो दिन पहले झूंसी थाने में शिकायत की थी। इस पर जांच कराई गई तो दरोगा के खिलाफ सभी आरोप सही पाए गए। इसी आधार पर आरोपी दरोगा नरेश यादव को जेल भेजा गया। पूरे प्रकरण में शामिल अन्य आरोपियों के भूमिका की भी जांच की जा रही है। अगर वे दोषी पाए गए तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

परिवार गया था शादी में, घर से 70 लाख के जेवर चुरा बहनों ने दिया परिचितों को

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के एक गांव में दो सगी एवं एक चचेरी बहन ने अपने ही घर में चोरी कर लाखों के जेवर परिचित युवकों को दे दिया। घटना के वक्त परिवार के अन्य सदस्य शादी में गए थे। शादी से वापस घर आने पर घटना की जानकारी हुई तो खलबली मच गई। पुलिस ने तीन युवकों को हिरासत में लिया है। थाना क्षेत्र के एक गांव में दो दिन पहले एक ज्वेलरी का काम करने वाला परिवार फूलपुर में शादी समारोह में गया था। घर में तीन नाबालिग बेटियां थी। रात में तीनों ने अलमारी का लॉकर खोल उसमें रखे तकरीबन 70 लाख के सोने–चांदी के जेवर समेट लिया और पोटली बनाकर बाइक से आए परिचित युवकों को दे दिया। रविवार को शादी से लौटे परिजनों को जब यह जानकारी हुई तो खलबली मच गई। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक किया गया तो लड़कियों की करतूत सामने आई। परिजनों की सूचना पर पुलिस सक्रिय हुई और तीन युवकों को दबोच कर थाने ले आई। पुलिस की पूछताछ में युवकों ने जेवर लेना स्वीकार किया। पुलिस ने युवकों की निशानदेही पर अधिकांश जेवर बरामद कर लिया है।

सुबह 10.25 बजे तक बीडीओ कक्ष पर लगा ताला, बीआरसी कर्मचारी भी नदारद

प्रयागराज। सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए घोषित आकांक्षी ब्लॉक मांडा के विकास खंड कार्यालय में सोमवार सुबह लापरवाही की तस्वीर सामने आई। संवाद न्यूज एजेंसी की टीम जब सुबह करीब 10रू25 बजे कार्यालय पहुंची तो बीडीओ कक्ष के बाहर ताला लटका मिला, जबकि कई महत्वपूर्ण पटल भी खाली पाए गए। कार्यालय परिसर में एडीओ पंचायत कार्यालय का मुख्य द्वार खुला था, लेकिन अंदर पहुंचने पर सन्नाटा पसरा मिला। एडीओ पंचायत की कुर्सी खाली रही। इसके अलावा कनिष्ठ सहायक आवास पटल, तकनीकी सहायक पटल और वरिष्ठ सहायक पटल पर भी कोई कर्मचारी मौजूद नहीं मिला। मौके पर केवल एडीओ समाज कल्याण मनोज उपाध्याय और स्वच्छ भारत मिशन के कंप्यूटर ऑपरेटर अश्वनी दुबे ही उपस्थित मिले। बीडीओ कार्यालय का हाल भी इससे अलग नहीं रहा। यहां एनआरएलएम के बीएमएम विवेक तिवारी और कंप्यूटर ऑपरेटर संदीप कुमार ही कार्यालय में दिखे, जबकि अन्य कर्मचारी व अधिकारी नदारद रहे। कर्मचारियों से अनुपस्थित अफसरों के बारे में पूछने पर वे स्पष्ट जवाब देने से बचते नजर आए। नाम न छापने की शर्त पर एक कर्मचारी ने बताया कि कई अधिकारी दूरदराज से आने के कारण अक्सर देर से कार्यालय पहुंचते हैं और जिलास्तर से औचक निरीक्षण भी नहीं होता।

उधर, ब्लॉक परिसर से करीब 200 मीटर दूर स्थित बीआरसी कार्यालय का भी यही हाल देखने को मिला। सुबह 10रू35 बजे बीईओ कक्ष में ताला बंद मिला, जबकि लेखा कक्ष और कंप्यूटर कक्ष भी खाली रहे।

Inner Wheel Club of Allahabad द्वारा परमर्थ निकेतन, अरैल घाट पर वाटर कूलर एवं महिला चेंजिंग रूम का उद्घाटन संपन्न

मीडिया कवरेज

प्रयागराज। Inner Wheel Club of Allahabad की ओर से 17 मार्च को परमर्थ निकेतन, अरैल घाट पर एक सराहनीय सामाजिक पहल के अंतर्गत वाटर कूलर एवं महिला चेंजिंग रूम का उद्घाटन कार्यक्रम संपन्न हुआ। क्लब की सदस्य श्रीमती किरण चावला एवं इंदु खुराना के द्वारा घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं एवं आमजन की सुविधा हेतु दो बड़ा वाटर कूलर दान किया गया। तथा प्रीति के द्वारा आयुर्वेदिक औषधि

पुस्तकालय का भी उद्घाटन किया गया। इन तीनों जनोपयोगी सुविधाओं का उद्घाटन पास्ट एसोसिएशन ट्रेज़रर श्रीमती किरण चावला जी एवं डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन श्रीमती प्रिया नारायण जी के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्लब की जोनल हेड तान्या ढल,अध्यक्ष नूपुर कपूर, सचिव शालिनी अग्रवाल, एडिटर आरती अग्रवाल, सीमा सिंघल, नेहा कक्कड़,प्रीतिमा,गीता चतुर्वेदी, आराधना टंडन, प्रीति सहित क्लब की अन्य सदस्याएं भी उपस्थित रहीं। Inner Wheel Club of Allahabad समय—समय पर समाज सेवा एवं जनकल्याण के विभिन्न कार्यों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करता रहा है और आगे भी इसी प्रकार सेवा कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है।

गैस सिलेंडर संकट पर भड़के छात्र समाजवादी छात्र सभा ने किया प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। बढ़ती महंगाई और गैस सिलेंडर की किल्लत—कालाबाजारी के खिलाफ समाजवादी छात्र सभा, लखनऊ विश्वविद्यालय ने मंगलवार को गेट संख्या 1 पर जोरदार किया। बड़ी संख्या में छात्र—छात्राओं और आम नागरिकों ने हिस्सा लिया और केंद्र सरकार के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाते हुए कहा कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में लगातार बढ़ोत्तरी (मार्च में ध्60 की बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में 913 तक पहुंच गई) और समय पर उपलब्धता न होने से आम जनता का जीवन मुश्किल हो गया है। कालाबाजारी चरम पर है, जहां सिलेंडर कहीं—कहीं दोगुने—तिगुने दाम पर बिक रहे हैं, जबकि सरकारी आपूर्ति में कमी और होर्डिंग की समस्या बनी हुई है। छात्रों ने सरकार पर आरोप लगाया कि वे इन मुद्दों पर पूरी तरह विफल साबित हुई हैं। समाजवादी छात्र सभा ने मुख्य मांगें रखीं,गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर तत्काल रोक लगाई जाए,आम जनता को सुलभ और उचित दरों पर सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए, बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण किया जाए और सब्सिडी बढ़ाई जाए। कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। अंत में सभा के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार जल्द समाधान नहीं करती तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में मुख्य रूप से शामिल रहेरू रोहित यादव, आदित्य पाण्डेय, शिवा जी यादव, प्रसन्न शुक्ला उर्फ मिट्ठू, शिवपूजन पाण्डेय, अजीतेंद्र यादव, शिवमणि तिवारी, प्रशांत पाल, अनादि तिवारी, अक्षत पाण्डेय, प्रभात राज यादव, आशीष यादव, आर्यन गुप्ता, विनय शाक्य, प्रियांशु, रुद्रवीर, सूर्यांश, पंकज, अर्जुन, अश्वनी आदि छात्र।

लोहिया संस्थान में मरीज की मौत पर परिजनों ने काटा बवाल, लापरवाही का आरोप

लखनऊ, संवाददाता। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में मंगलवार को मरीज की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। गुस्साए तीमारदारों ने रेजिडेंट डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ मारपीट की और आपातकालीन (ट्रायज) क्षेत्र में तोड़फोड़ कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को काबू में किया और डॉक्टरों की तहरीर पर एक तीमारदार को हिरासत में ले लिया। संस्थान के प्रवक्ता डॉ. भुवन तिवारी ने बताया, मरीज लाल बहादुर (45) को निमोनिया और एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम के साथ बेहद गंभीर हालत में लाया गया था। उनका ऑक्सीजन स्तर काफी कम था। डॉक्टरों ने तत्काल वेंटिलेटर पर शिफ्ट करने की सलाह दी, लेकिन परिजनों ने शुरू में सहमति नहीं दी। लगभग दो घंटे की देरी के बाद वेंटिलेशन शुरू किया गया, लेकिन तब तक स्थिति अत्यंत गंभीर हो चुकी थी और मरीज को बचाया नहीं जा सका। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि डॉक्टरों ने समय पर इलाज शुरू कर दिया था और लापरवाही के आरोप निराधार हैं। वहीं, तीमारदारों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने मरीज को समय पर भर्ती नहीं किया और वेंटिलेटर को लेकर गुमराह किया। उनका कहना है कि अगर सही समय पर इलाज मिलता तो मरीज की जान बच सकती थी। परिजनों ने एक रेजिडेंट डॉक्टर पर महिलाओं के साथ अभद्रता का भी आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और अस्पताल प्रशासन ने भी आंतरिक जांच शुरू कर दी है।

पुलिस भर्ती बोर्ड मुख्यालय के बाहर युवक ने किया आत्मदाह का प्रयास

दरोगा परीक्षा में पंडित विकल्प को लेकर है आहत

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में पुलिस भर्ती बोर्ड मुख्यालय के बाहर मंगलवार को एक युवक ने आत्मदाह की कोशिश कर हड़कंप मचा दिया। युवक अपने साथ बोतल में केरोसीन लेकर पहुंचा था और मुख्य गेट के सामने आते ही उसने अपने ऊपर केरोसीन छिड़कना शुरू कर दिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उसे तुरंत पकड़ लिया और बड़ा हादसा टल गया। युवक की पहचान दीपक शर्मा के रूप में हुई है। उसका आरोप है कि हाल ही में हुई दरोगा भर्ती परीक्षा में एक विवादित सवाल पूछा गया, जिसमें अवसरवादी के विकल्प के रूप में पंडित शब्द जोड़ा गया था। दीपक का कहना है कि यह प्रश्न जानबूझकर एक वर्ग को अपमानित करने के लिए शामिल किया गया था। दीपक शर्मा ने बताया कि इस मामले में उसने हजरतगंज कोतवाली में लिखित शिकायत भी दी थी।

फतेहपुर कायस्थान ग्राम पंचायत में जल जीवन मिशन की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता

प्रयागराज। रज्जू भैया स्टेट यूनिवर्सिटी, प्रयागराज के टीम द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकास खंड कौड़ीहार तहसील सोरांव की ग्राम पंचायत फतेहपुर कायस्थान में योजना के क्रियान्वयन की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण एवं आकलन किया गया। इस अध्ययन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की प्रगति तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों का मूल्यांकन करना था।

निरीक्षण के दौरान टीम ने ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के पदाधिकारियों, ग्राम प्रधान तथा ग्रामवासियों से संवाद कर योजना के क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों ने बताया कि जल जीवन मिशन के लागू होने से गांव में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

ग्राम पंचायत फतेहपुर कायस्थान में पेयजल आपूर्ति के लिए जल टंकी एवं पाइपलाइन नेटवर्क का निर्माण

कराया गया है। इसके माध्यम से घर—घर नल कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल मिल रहा है। इससे जलजनित बीमारियों में कमी आने की संभावना भी बढ़ी है।

ग्रामीणों ने बताया कि पहले पानी के लिए हैंडपंप या दूरस्थ जल स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों की अधिक खपत होती थी। अब घर—घर नल से जल उपलब्ध होने के कारण विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को काफी राहत मिली है।

इस दौरान रज्जू भैया स्टेट यूनिवर्सिटी, प्रयागराज से प्रो. अशोक मौर्य एवं डॉ. कविता सहित उनकी टीम उपस्थित रही। साथ ही जल जीवन मिशन से अवर अभियंता श्री ब्रजेश कुमार, संस्था एल एंड टी कंस्ट्रक्शन से प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री शुभंकर सिल सर, कंस्ट्रक्शन मैनेजर सतीश सर अभियंता मुन्ना कुमार प्रिन्स कुमार सिंह ज्च्। घनश्याम शाही एवं उनकी टीम भी मौजूद रही। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, सहित ग्राम पंचायत के अन्य प्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे।

मिर्जापुर बरईशिव ग्राम पंचायत में जल जीवन मिशन की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता

प्रयागराज। रज्जू भैया स्टेट यूनिवर्सिटी, प्रयागराज के टीम द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकास खंड सोरांव

तहसील सोरांव की ग्राम पंचायत मिर्जापुर बरईशिव में योजना के क्रियान्वयन की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण एवं आकलन किया गया। इस अध्ययन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की प्रगति तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों का मूल्यांकन करना था।

निरीक्षण के दौरान टीम ने ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के पदाधिकारियों, ग्राम प्रधान तथा ग्रामवासियों से संवाद कर योजना के क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों ने बताया कि जल जीवन मिशन के लागू होने से गांव में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

ग्राम पंचायत मिर्जापुर बरईशिव में पेयजल आपूर्ति के लिए जल टंकी एवं पाइपलाइन नेटवर्क का निर्माण कराया गया है। इसके माध्यम से घर—घर नल कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल मिल रहा है। इससे जलजनित बीमारियों में कमी आने की संभावना भी बढ़ी है।

ग्रामीणों ने बताया कि पहले पानी के लिए हैंडपंप या दूरस्थ जल स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों की अधिक खपत होती थी। अब घर—घर नल से जल उपलब्ध होने के कारण विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को काफी राहत मिली है।

इस दौरान रज्जू भैया स्टेट यूनिवर्सिटी, प्रयागराज से प्रो. अशोक मौर्य एवं डॉ. कविता सहित उनकी टीम उपस्थित रही। साथ ही जल जीवन मिशन से अवर अभियंता श्री ब्रजेश कुमार, पंकज कुमार संस्था एल एंड टी कंस्ट्रक्शन से प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री शुभंकर सिल सर, कंस्ट्रक्शन मैनेजर सतीश सर तिरुमल सर अभियंता मुन्ना कुमार गोलू कुमार मनोज कुमार सिंह वीरेंद्र यादव प्रिन्स कुमार सिंह ज्च्। आशीष यादव एवं उनकी टीम भी मौजूद रही। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, सहित ग्राम पंचायत के अन्य प्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे।

जनता से जुड़ी समस्याओं का समाधान है सम्भव- नगर आयुक्त

अभी तक हुए कार्यों की हुई समीक्षा

नगर निगम के साप्ताहिक बैठक में सभी जोन के अधिकारीगण रहे उपस्थित

प्रयागराज। नगर निगम में आज मंगलवार को सम्भव जनसुनवाई के दौरान नगर आयुक्त, श्री सीलम साईं तेजा जी नगर निगम के अपने क्षेत्रों से आए जनमानस की समस्याओं को सुना। नगर आयुक्त ने कहा कि समस्याओ का त्वरित निस्तारण करना हमारा दायित्व है। जनसुनवाई के दौरान नगर आयुक्त ने अश्वासन दिया।

जनसुनवाई में आई शिकायतो में पेयजल तथा सड़क—नाली निर्माण तथा अतिक्रमण आदि से जुड़ी रहती है।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पेयजल तथा नालों और नालियों की साफ—सफाई तथा जाम नालियों की समस्या है उसे मरम्मत या निर्माण कार्य करने को कहा इस दौरान शहर में विभिन्न स्थानों चबूतरे, पेयजल, शौचालय/यूरिनल, जल की समस्याओं, हाउस टैक्स

तथा नगर की सड़कों पर सफाई की व्यवस्था किये जाने का ध्यान रखने को कहा इसी क्रम में साफ—सफाई मार्ग प्रकाश, मलवा, अतिक्रमण जैसी समस्या को तत्काल निस्तारण का आदेश को दिया

सम्भव की बैठक में अपर नगर आयुक्त दीपेन्द्र यादव,अरविन्द कुमार रॉय, राजीव कुमार शुक्ला दिनेश चंद्र सचान मुख्य अभियंता (सिविल), संजय कटियार मुख्य अभियंता (वि./या.), डाव महेश कुमार नगर स्वास्थ्य अधिकारी, गौरव कुमार महाप्रबंधक जलकल संजय मंमगई मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, डाव विजय अमृत राज पशु चिकित्सा कल्याण विभाग ,रामपूजन सहायक नगर आयुक्त अशोक कुमार जोनल अधिकारी जोन 2, नवनीत शंखवार जोन 3, विकास जैन जोन 4, अखिलेश त्रिपाठी जोन 5, श्याम कुमार जोन 6, सौरभ यादव जोन 7,सुदर्शन चंद्र जोन 8 अनिल कुमार मौर्या अधिशासी अभियंता एवं सभी जोनल अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

ईद उल फ़ित्र की तैयारियों के सिलसिले में बैठक हुई

लखनऊ, संवाददाता। ईद—उल—फित्र की तैयारियों के संबंध में ईदगाह लखनऊ के इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, चेयरमैन इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया की अध्यक्षता में इस्लामिक सेंटर और ईदगाह के कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें बताया गया कि ईदगाह में नमाजियों के लिए वुजू, साफ—सफाई आदि के सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि 19 मार्च को शव्वाल का चांद देखा जाएगा। यदि उस दिन चांद नजर आ गया तो 20 मार्च को, अन्यथा 21 मार्च को ईद—उल—फित्र मनाई जाएगी। इसका ऐलान रात साढ़े सात बजे कर दिया जाएगा। मौलाना ने ईद—उल—फित्र के शरई और धार्मिक पहलुओं को बयान करते हुए कहा कि ईद—उल—फित्र मुसलमानों और खास तौर पर रोजेदारों के लिए उनके खालिक व मालिक की तरफ से एक महान इनाम है।

दौलत के हैं यार

(छप्पय)

मकड़जाल के शब्द बहुत प्यारे लगते हैं।
बिन छुरी तलवार वार गहरे करते हैं।
मौसम के अनुरूप रंग रखकर यह अपना।
बिना किए कल्याण दिखाते हरदम सपना।
सच्चाई कहती सदा पहचानों उस गन्ध को।
खुशबू को दुर्गन्ध कह तोड़ रही मधुबन्ध को।।

पीकर दिनभर चाय दिखाते रहते सपना।
दौलत के हैं यार न समझो इनको अपना।
मिलते दूजा ठाँव परिंदे उड़ जाएंगे।
किशमिश और बादाम वहाँ पर फिर खाएँगे।
अर्थ बदलते प्यार के सब कुछ लगता है नया।
रिश्तो के इस खेल में दिल बेचारा हो गया।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

आरेडिका महिला कल्याण संगठन ने किया श्रमिक महिलाओं का सम्मान

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में विश्व महिला दिवस—2026 के उपलक्ष्य में 17 मार्च 2026 को आरेडिका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा डा0 अंजना खरे ने आरेडिका में कार्य करने वाली महिलाओं को पुरस्कार प्रदान

कर सम्मानित किया तथा शुभकामनाएँ दीं एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आरेडिका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा डा0 अंजना खरे ने महिलाओं के सशक्तिकरण के बारे में जानकारी दी एवं उनके प्रति जागरूक रहने और स्वच्छता को अपनाने की सलाह दी।

इसी के साथ ही आरेडिका की महिला कलयाण संगठन की सभी सदस्याओं ने कारखाना परिसर का दौरा किया एवं कारखाने में बन रहे कोचों को देखा तथा कारखाने में कार्य करने वाली महिलाओं से मुलाकात कर उनका हाल—चाल जाना। इस अवसर पर आरेडिका की महिला कलयाण संगठन की सचिव बॉबी जिंदल, मधु मीना, संतोषी, अनुपमा कपूर, सुनीता शुक्ला, बीना तिवारी, रमा पाल सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।

ईद से पहले फितरा अदा करें ताकि जरूरतमंद भी ईद की खुशियों में बराबर हिस्सा ले सकें : आफाक

लखनऊ, संवाददाता। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्तासंगठन के कन्वीनर मुहम्मद आफाक ने एक बयान में कहा कि रमजान के आखिरी दो—तीन दिन बचे हैं, इसलिए पूरी मुस्लिम कम्युनिटी को चाहिए कि वे बचे हुए आखिरी कुछ दिनों में खुद को और अपने परिवार को अल्लाह की इबादत में शामिल करें, ताकि अल्लाह की खुशी और करीबी हासिल की जा सके। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को इन मुबारक दस दिनों में नमाज, कुरान की तिलावत, जिक्र और दुआ का खास इंतजाम करना चाहिए और अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि रमजान का पवित्र महीना खत्म होने वाला है, इसलिए फितरा अदा करना शुरू कर दें। शहर और आस—पास के इलाकों के मुसलमानों को पैगंबर की सुन्नत पर अमल करना चाहिए और हकदारों को फितरा बांटने में लग जाना चाहिए ताकि गरीब और जरूरतमंद भी ईद की खुशियों में बराबर हिस्सा ले सकें। उन्होंने कहा कि विद्वानों ने कहा है कि फितरा हर मुस्लिम पर जरूरी है, जिसका मकसद समाज के कमजोर तबके की मदद करना और उन्हें ईद—उल—फितर की खुशियों में शामिल करना है। उन्होंने कहा कि ईद की नमाज से पहले फितरा देना बेहतर है ताकि हकदारों को समय पर फायदा मिल सके।

लखनऊ से मोबाइल चुराकर नेपाल में बेचने वाले 4 गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ से मोबाइल चुराकर नेपाल में बेचने वाले चोर गिरोह के 4 सदस्यों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 41 मोबाइल फोन, 2 टैबलेट, अवैध हथियार और वारदात में इस्तेमाल लग्जरी कार और बाइक बरामद की गई। मोबाइलों की कीमत करीब 20 लाख रुपए है।

एडीसीपी नॉर्थ रिषभ रूणवाल ने बताया— 22 फरवरी को जानकीपुरम गार्डन निवासी अभिषेक चौधरी ने दुकान का शटर तोड़कर चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। चोर करीब 30 नए मोबाइल, 10 पुराने मोबाइल, 4 टैबलेट और 10 हजार रुपए नकद ले गए थे। पुलिस मड़ियांव थाने में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में लगी थी। मुखबिर की सूचना पर मंगलवार सुबह मड़ियांव के यादव चौराहे के पास लोखड़िया मोड़ सर्विस रोड से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अमन (23), जीशान (26), अजमत अली उर्फ मंटू (25) और समीर उर्फ डाबर (19) के रूप में हुई है।

सभी लखनऊ और बहराइच के अलग—अलग इलाकों के रहने वाले हैं। आरोपियों के पास से 41 मोबाइल, 2 टैबलेट के अलावा 2 अवैध देशी तमंचे (.303 बोर), 1 रिवॉल्वर (.32 बोर) और कुल 9 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई हुंडई वर्ना कार और दो मोटरसाइकिल भी कब्जे में ली हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पहले बाइक और कार से इलाके की रेकी करते थे। इसके बाद बंद दुकानों का शटर और ताला तोड़कर मोबाइल व टैबलेट चोरी कर लेते थे। चोरी का सामान नेपाल ले जाकर बेच देते थे और रुपए आपस में बांट लेते थे। आरोपी चोरी के दौरान हथियार साथ रखते थे।

बरामद सामान का संबंध मड़ियांव समेत अलीगंज, जानकीपुरम, चिनहट और इटौंजा थानों में दर्ज कई चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है। उनके आपराधिक इतिहास की जानकारी अन्य जिलों से भी जुटाई जा रही है।

सम्पादकीय.....

भारतीय रोक रहे हैं विदेश में पढ़ाई की योजनाएं

कंसल्टैंट्स का कहना है कि अमरीका में सख्त वीजा नीतियां, खासकर डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में और ब्रिटेन, कनाडा तथा ऑस्ट्रेलिया में इमिग्रेशन के कड़े नियम और पढ़ाई के बाद काम करने के कम होते मौकों के साथ–साथ पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष, कई भारतीय छात्रों को अपनी विदेश में पढ़ाई की योजनाओं को रोकने या उनमें बदलाव करने पर मजबूर कर रहे हैं। हाल के महीनों में, कई छात्रों ने विदेशी यूनिवर्घ्सटीज में दाखिले के अपने प्लान को अगले सैशन तक के लिए टाल दिया है, जबकि वैश्विक अशांति और अनिश्चितता के बीच कुछ छात्र अपने घर के करीब या ज्यादा स्थिर जगहों पर पढ़ाई के विकल्प तलाश रहे हैं। कॉलेजीफाई के सह–संस्थापक और निदेशक आदर्श खंडेलवाल ने कहा, ''विदेश में पढ़ाई के रुझानों में एक साफ गिरावट देखी जा रही है। सरकारी आंकड़े दिखाते हैं कि विदेश में पढ़ाई के लिए जाने वाले भारतीयों की संख्या 2023 में 9,08,000 से घटकर 2025 में 6,26,000 रह गई है, जो कि एक बहुत बड़ी गिरावट है।'' उन्होंने आगे कहा कि भारत को अब सिर्फ एक 'बैकअप' (दूसरा विकल्प) के तौर पर नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसे तेजी से एक गंभीर 'पहली पसंद' वाले माहौल के तौर पर परखा जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, माता–पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने से पहले ज्यादा सोच–समझकर फैसले ले रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि छात्रों के बीच सबसे बड़ी चिंता 'नीतियों में अनिश्चितता' है, न कि युद्ध। आई.डी.पी. एजुकेशन के क्षेत्रीय निदेशक (दक्षिण एशिया, कनाडा और लाटाम) पीयूष कुमार ने कहा, ''विदेशों में पढ़ाई के मुख्य ठिकानों से मिले हालिया सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल के मुकाबले छात्रों की विदेश यात्रा की रफ्तार धीमी हो गई है।'' उदाहरण के लिए, अमरीकी विदेश विभाग के आंकड़े दिखाते हैं कि जून और जुलाई 2025 के बीच विदेशी छात्रों को जारी किए गए वीजा की संख्या में 62 प्रतिशत की गिरावट आई है। कुमार के अनुसार, ''इस गिरावट के पीछे कई वजहें हैं, जिनमें सख्त वीजा नीतियां, नए ग्रैजुएट्स के लिए मुश्किल जॉब मार्केट और करंसी में उतार–चढ़ाव शामिल हैं।'' पोस्ट ग्रैजुएट (स्नातकोत्तर) स्तर पर इसका असर ज्येादा पड़ा है। कुमार ने आगे कहा, ''कई इच्छुक छात्र ऐसे कामकाजी पेशेवर हैं, जो अपनी पढ़ाई की योजनाओं को 1 या 2 साल के लिए टालना पसंद कर रहे हैं।'' वे मौजूदा उथल–पुथल के शांत होने का इंतजार कर रहे हैं। विकल्पों को फिर से तय करना रू कंसल्टैंट्स के अनुसार, इस क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति के कारण यू.ए.ई. जाने वाले आवेदनों में भी अस्थायी गिरावट आई है। लैवरेज एजुकेशन के संस्थापक और सी.ई.ओ. अक्षय चतुर्वेदी ने कहा, ''बड़े स्तर पर, 2026 में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा की मांग किसी संरचनात्मक गिरावट की बजाय, गंतव्य विकल्पों में फिर से बदलाव और विविधता लाने के दौर को दर्शाती है।'' कॉलेजीफाई के खंडेलवाल ने कहा, ''जब कोई संघर्ष होता है, अस्थिरता को लेकर मीडिया में लगातार खबरें आती हैं, तो इससे घरों का भावनात्मक माहौल बदल जाता है।'' यूनिवर्सिटी लिविंग के संस्थापक और सी.ई.ओ. सौरभ अरोड़ा ने कहा कि कुछ छात्र मजबूत घरेलू संस्थानों या भारत के भीतर ही उपलब्ध अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों को चुन रहे हैं, जबकि अन्य अभी भी विदेश में पूरी डिग्री हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। अरोड़ा ने कहा, ''जमीनी स्तर पर हम जो देख रहे हैं, वह यह नहीं है कि छात्र अपनी योजनाओं से पीछे हट रहे हैं, बल्कि वे अपने फैसले को अंतिम रूप देने में थोड़ा ज्यादा समय ले रहे हैं।'' विशेषज्ञों ने कहा कि छात्र और अभिभावक गंतव्यों, खर्चों और करियर के नतीजों का मूल्यांकन करने में ज्यादा समय लगा रहे हैं। वीजा नियमों में बदलाव, शिक्षा की बढ़ती लागत और पढ़ाई के बाद काम के बदलते अवसरों ने पिछले एक–दो सालों में परिवारों को पहले से ही ज्यादा सतर्क बना दिया है। इस बीच, कई वैश्विक विश्वविद्यालयों, जिनमें यूनिवर्घ्सटी ऑफ साऊथैम्पटन और डीकिन यूनिवर्घ्सटी शामिल हैं, ने भारत में अपने कैंपस या सांझेदारियां स्थापित करना शुरू कर दिया है। अरोड़ा ने कहा, ''भारत भी खुद एक ज्यादा प्रमुख शिक्षा गंतव्य बनता जा रहा है।'' विशेषज्ञों ने अमरीका, कनाडा, यू.के. और ऑस्ट्रेलिया जैसे पारंपरिक गंतव्यों से हटकर जर्मनी, आयरलैंड, स्पेन और इटली जैसे देशों की ओर रुझान बढने की तरफ भी इशारा किया।

राष्ट्रीय राजनीति भी तय करेंगे विधानसभा चुनाव

राज कुमार सिंह

पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी चेरी में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है। चुनाव परिणाम इन 5 राज्यों में भावी सरकार का फैसला ही नहीं करेंगे, राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी बताएंगे। इन राज्यों का सत्ता संग्राम ज्यादा दिलचस्प इसलिए भी होगा, क्योंकि 2 राज्यों में केंद्र में सत्तारूढ़ गठबंधन राजग की सरकारें हैं तो 3 में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की। सबसे ज्यादा निगाहें पश्चिम बंगाल के चुनाव पर रहेंगी। ममता बनर्जी वहां 3 बार से मुख्यमंत्री हैं। दिलचस्प समीकरण यह कि पहले सत्ता में रही कांग्रेस और फिर 3 दशक से भी ज्यादा सत्तारूढ़ रहा वाम मोर्चा अब बंगाल की राजनीति में हाशिए पर हैं, जबकि भाजपा मुख्य विपक्षी दल बन चुकी है। पिछले चुनाव में भी भाजपा ने बंगाल में बदलाव का माहौल तो बनाया था लेकिन 294

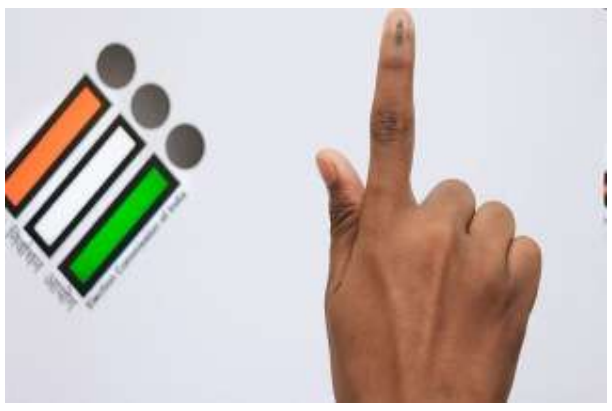

सदस्यीय विधानसभा में 100 का आंकड़ा भी नहीं छू पाई, जबकि ममता की तृणमूल 215 सीटें जीत गई। दोनों दलों के मत प्रतिशत में भी 10 प्रतिशत का भारी अंतर रहा। बेशक 3 सीटों से 77 सीटों की छलांग कम चमत्कारिक नहीं, पर बहुमत का आंकड़ा 147 है। तमाम तिकड़मों के बावजूद भाजपा उसका आधा सफर ही तय कर पाई। 2 सीटों से लड़ीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चध्चत नंदीग्राम सीट से शुभेंदु अधिकारी द्वारा हरा देना शायद भाजपा की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। लगातार 3 कार्यकाल के बाद ममता और तृणमूल के विरुद्ध सत्ता विरोधी भावना की संभावना से इंकार नहीं, पर उसका चुनावी लाभ उठाने के लिए स्वीकार्य विश्वसनीय चेहरा और मजबूत संगठन तो चाहिए। विशाल अल्पसंख्यक वोट बैंक तृणमूल कांग्रेस की बड़ी चुनावी ताकत है। इसीलिए भाजपा हिंदू मतदाताओं को अपने पक्ष में गोलबंद करने की कवायद करती रहती है। इस कवायद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सक्रियता से भाजपा अपने और तृणमूल के बीच के फासले को कितना तय कर पाएगी, पश्चिम बंगाल का चुनाव परिणाम इस पर काफी निर्भर करेगा। पिछली बार मिल कर लड़े कांग्रेस और वाम मोर्चा इस बार अलग–अलग चुनाव मैदान में उतरेंगे। उनकी सीमित चुनावी भूमिका में यह देखना दिलचस्प रहेगा कि वे तृणमूल के अल्पसंख्यक वोट बैंक में सेंध लगाते हैं या फिर सत्ता विरोधी मतदाताओं में हिस्सा बंटा कर भाजपा को नुकसान पहुंचाते हैं। एक बात तय है कि यह चुनाव ममता और भाजपा, दोनों के लिए करो या मरो वाला रहेगा। ममता के लिए यह चुनाव सबसे चुनौतीपूर्ण होगा। इसलिए भाजपा के लिए बंगाल में सरकार बनाने का यह सबसे अनुकूल अवसर भी माना जा रहा है। अगर ममता चौथी बार भी जनादेश पाने में सफल रहीं तो विपक्षी गठबंधन इंडिया के जरिए राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को नजरअंदाज करना कांग्रेस के लिए मुश्किल हो जाएगा। तमिलनाडु की राजनीति अर्से तक द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच 2 ध्रुवीय रही लेकिन जयललिता के निधन के बाद वह संतुलन गड़बड़ा गया है। अन्नाद्रमुक के एकीकरण और उससे गठबंधन के जरिए भाजपा वहां सत्ता परिवर्तन की संभावनाएं तलाश रही है लेकिन एम.के. स्टालिन सरकार के कार्यकाल में सनातन धर्म और हिंदी भाषा को लेकर रह–रह कर उठते रहे विवादों के बावजूद यह आसान नहीं लगता। हां, टी.वी. के. नामक दल बना कर फिल्म अभिनेता से राजनेता बने थलापति विजय अगर बड़ी ताकत बन कर उभरे तो तमाम समीकरण गड़बड़ा सकते हैं। अगर द्रमुक गठबंधन सत्ता बचाने में सफल रहा तो उससे राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन का भी मनोबल बढ़ेगा ही। वैसे सनातन और हिंदी विरोधी छवि के मद्देनजर स्टालिन के लिए राष्ट्रीय राजनीति की डगर आसान नहीं होगी। इंडिया गठबंधन भी उनसे जुड़े विवादों से बचना ही चाहेगा। अगर टी.वी. के. की चुनावी मौजूदगी से गैर द्रमुक दलों की सत्ता संभावनाएं बनीं, तो वह एक धुर दक्षिण भारतीय राज्य में भाजपा के लिए बिना टिकट खरीदे ही लॉटरी खुल जाने से कम नहीं होगा। 5 चुनावी राज्यों में भाजपा की जीत की सबसे बेहतर संभावनाएं असम में हैं। अर्से से घुसपैठ और जनसांख्यिकी परिवर्तन जैसे मुद्दों से घिरे रहे असम में लगातार दूसरी बार भाजपा सरकार है। पूर्व कांग्रेसी हिमंत बिस्वा सरमा ने पूर्वोत्तर राज्यों में भाजपा का जैसा विस्तार करवाया, उसके पुरस्कार स्वरूप उन्हें पिछले चुनाव के बाद असम का मुख्यमंत्री बनाया गया। भाजपा के लाडले हिमंत इस समय कांग्रेस ही नहीं, राहुल गांधी के भी सबसे मुखर आलोचक हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा को भाजपा में शामिल करवा कर हिमंत ने कांग्रेस को एक और बड़ा झटका चुनाव से ठीक पहले दिया। बेशक असम की राजनीति में गठबंधन आज भी निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा और कांग्रेस में से कौन बेहतर ढंग से चुनावी गठबंधन को अंजाम दे पाता है। राहुल के करीबी गौरव गोगोई के राजनीतिक भविष्य का फैसला भी काफी हद तक ये चुनाव कर देंगे। केरल की 2 ध्रुवीय राजनीति में भाजपा के लिए ज्यादा संभावनाएं हैं नहीं। बेशक वहां से लोकसभा चुनाव जीते अभिनेता गोपी केंद्र में मंत्री बनाए गए। हाल ही में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा अपना मेयर भी बनाने में सफल हो गई, लेकिन केरल की सत्ता की जंग अभी भी मुख्यतः वाम मोर्चा यानि एल.डी.एफ. और कांग्रेसनीत मोर्चा यू.डी.एफ. के बीच ही सिमटी है। कोई भी जीते, सत्ता इंडिया गठबंधन के पास ही रहेगी लेकिन ध्यान रहे कि देश में केरल एकमात्र राज्य है, जहां वाम सत्ता बची हुई है। उस किले का ढहना वाम राजनीति पर विराम जैसा होगा। केंद्रशासित पुडुचेरी की राजनीति बहुत कुछ तमिलनाडु की तर्ज पर चलती है। पिछली बार पासा पलट गया क्योंकि द्रमुक की दोस्त कांग्रेस का चुनावी प्रदर्शन बेहद लचर रहा। परिणामस्वरूप क्षेत्रीय दल एन.आर. कांग्रेस और भाजपा मिल कर सरकार बनाने में सफल हो गए। इस बार वहां गठबंधन की बिसात पर कौन कैसा प्रदर्शन करेगा, सत्ता का जनादेश उसी समीकरण पर निर्भर करेगा।

लोककथाओं में स्त्री: संवेदना संघर्ष और स्वाभिमान

अंजलि श्रीवास्तव

प्रयागराज

भारतीय लोककथाएं केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि लोक जीवन की सामूहिक स्मृति और सांस्कृतिक अनुभवों की जीवित धरोहर है। इन कथाओं में समाज के जीवन –दृष्टि ,नैतिक मूल्यों मानवीय संबंधों का गहरा प्रतिबिंब दिखाई देता है। लोक कथाओं का संसार जितना व्यापक है, उतना विविध भी है। इसमें स्त्री का चरित्र विशेष महत्व रखता है।

लोक कथाओं में स्त्री की संवेदना अत्यंत गहरी और व्यापक होती हैं। वह केवल अपने व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहती बल्कि परिवार समाज और प्रकृति के साथ एक भावनात्मक संबंध स्थापित करती है। अनेक लोक कथाओं में स्त्री को परिवार की आधारशिला के रूप में चित्रित किया गया है, जो अपने धैर्य और करुणा से संबंधों को सहेजती है। भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में सीता का चरित्र इसी संवेदनशीलता का प्रतीक माना जाता है।

संवेदना के साथ–साथ लोक कथाओं में स्त्री का संघर्ष भी महत्वपूर्ण रूप में उभरता है। जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी वह साहस और विवेक से अपने अस्तित्व को बनाए रखती है। लोक कथाओं में स्त्री अनेक प्रकार के चुनौतियों का सामना करती है कभी सामाजिक बंधनों का कभी पारिवारिक कठिनाइयों का, तो कभी परिस्थितियों की कठोरता का। फिर भी वह हार नहीं मानती, बल्कि धैर्य और बुद्धिमत्ता से समाधान खोजती है।

भारतीय परंपरा में सावित्री की कथा, स्त्री के इसी साहस और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। सावित्री का चरित्र यह विश्वास दिलाता है की आत्मबल और संकल्प से असंभव प्रतीत होने वाली परिस्थितियों का भी सामना किया जा सकता है। लोक में प्रचलित यह युक्ति भी स्त्री के धैर्य और मूल्य को भी रेखांकित करती है–

धीरज, धर्म, मित्र और नारी
आपद ,काल परखिए चारी।

लोक कथा में स्त्री केवल संवेदनशील और संघर्षशील नहीं होती, बल्कि उसमें स्वाभिमान की गहरी भावना भी दिखाई देती है। वह अपने सम्मान और गरिमा के प्रति सजग रहती है। लोक जीवन में स्त्री का यह स्वाभिमान समाज को नैतिक दिशा भी प्रदान करता है।

लोक कथाओं की एक विशेषता ये भी है कि उनमें स्त्री का चरित्र अत्यंत मानवीय और जीवंत रूप में सामने आता है। वह केवल आदर्श का प्रतीक नहीं अनुभवों से गुजरने वाली एक जीवित व्यक्ति है।

उसकी संवेदना उसे दूसरों के दुख को समझने की शक्ति देती है उसका संघर्ष परिस्थितियों से जूझने का साहस देता है उसका स्वाभिमान अपने स्थित व के गरिमा को बनाए रखने की प्रेरणा देता है।

समकालीन संदर्भ में यदि हम लोक कथाओं की इन स्त्री पात्रों को देखें तो उनका महत्व और भी स्पष्ट हो जाता है। आज जब स्त्री अधिकार समानता और सम्मान की चर्चा समाज में व्यापक रूप से हो रही है, तब लोग कथाएं हमें याद दिलाती हैं कि स्त्री की चेतना और स्वाभिमान कोई नया विचार नहीं है। भारतीय परंपरा में स्त्रियों को धैर्य, साहस और आत्मसम्मान प्रतीक के रूप में देखा जाता रहा है।

यही कारण है कि लोक–स्मृति में

स्त्रियां केवल किसी एक दिवस की प्रतीक नहीं है, बल्कि लोक– मन, में प्रतिदिन आदर और स्मरण के साथ उपस्थित रहती है।

भारतीय लोक मानस में यह विश्वास भी प्रचलित है–

जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवत्व का निवास होता है

आज के समय में जब जीवन की गति तेज हो गई है और सामाजिक संरचनाएं बदल रही हैं तब लोक कथाओं की यह स्मृति हमें अपने सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का काम करती हैं।

इस प्रकार लोक कथाओं में स्त्री का चरित्र बहुआयामी और गहन है। वह केवल कथा का एक पात्र नहीं बल्कि जीवन के अनुभव मूल्यों की वाहक है। उसकी संवेदना समाज को मानवीय बनाती है, उसका संघर्ष हमें धैर्य और साहस का संदेश देता है। और उसका स्वाभिमान हमें आत्म सम्मान के महत्व का बोध कराता है। इसलिए लोक कथाओं की स्त्री आज भी हमारे समाज के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत बनी हुई है।

मोदी को आ रही हैं आत्मा की आवाजें, लोगों की नहीं

शकील अख्तर

शरीर मिथ्या है आत्मा अमर है! इसलिए पूरे देश से निकल रहीं एलपीजी, तेल की किल्लत की आवाजें सुनाई नहीं दे रहीं। मगर बंगाल की आत्मा की

आवाज जरूर सुनाई दे रही है। और जब प्रधानमंत्री मोदी ने उसे अच्छी तरह सुन लिया और उसका खूब प्रचार कर दिया कि बंगाल बदलाव चाहता है तो चुनाव आयोग ने वहां सहित पांच राज्यों में चुनाव का अनाउंस कर दिया। सारी समस्याएं इस समय बंगाल में हैं। यहां तक कि वहां की सरकार भी अपराधी चला रहे हैं। मगर कोई यह नहीं पूछ सकता कि केन्द्र की सरकार कौन चला रहा है? अमेरिका! सब कुछ तो उसके आदेश अनुसार हो रहा है। रुस से तेल खरीदना बंद करो। बंद हो गया। 30 दिन के लिए खरीद सकते हो खरीदने लगे। लेकिन यह सब किसी को दिखाई नहीं दे रहा है। ठीक कोविड की तरह। लोग मर रहे हैं। आक्सीजन सिलेंडर नहीं हैं, दवा नहीं है, अस्पताल में बेड नहीं है। और मर जाएं तो शमशान नहीं। लाशें पुल से नीचे फेंक दी गईं। गंगा किनारे रेत में गाड़ दी गईं। मगर मोदी मोदी की आवाजों में कोई कमी नहीं आई। यहां तक कह दिया कि जो मर रहे हैं वे सीधे स्वर्ग जाएंगे। नफरत का नशा ऐसा ही होता है। पहले नोटबंदी में देखा। पूरा देश परेशान हो गया। फिर कोविड में जिन्दगी और मौत के बीच कोई फर्क नहीं रह गया। और अब रसोई गैस की कमी के दौरान। जनता की परेशानियों से कोई मतलब नहीं। उसकी आवाज पहले तो निकलती ही नहीं है और जो थोड़ी बहुत आहें कराहें आती हैं वह सुनने के बदले जहां अपनी सरकारें नहीं हैं वहां की आत्मा की आवाजें सुन रहे हैं। नफरत के नशे का यह आखिरी इम्तहान इस बार बंगाल में होगा। अगर यहां मोदी सफल नहीं हुए तो समझ लीजिए देश भर से नफरत का नशा टूटना शुरू हो गया है।

पश्चिम बंगाल में चुनावी लोकतंत्र को असली मतदाताओं का नाम काटने से खतरा

नीलोत्पल बसु

भारत का विचार सावरकर की हिंदुत्व विचारधारा द्वारा बुनी गई काल्पनिक कहानियों से नहीं बना था। इसे ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन को हटाने के लिए राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में बहाए गए

खून और पसीने से आकार मिला था। जाहिर है, इस विचार ने एक अलग ही कार्यप्रणाली तय की, जिसने 26 जनवरी, 1950 को लागू हुए संविधान के बुनियादी स्तंभों को बनाने में योगदान दिया। बुनियादी बातें क्या थीं? आर्थिक और राजनीतिक संप्रभुता और उपनिवेशवाद से मुक्ति की ओर बढ़ना स्वतंत्रता संग्राम का ही एक स्वाभाविक विस्तार था। इसे धर्मनिरपेक्ष होना था, ताकि लोगों को अपनी पसंद का धर्म मानने की आजादी और समानता मिल सके। इसे लोकतांत्रिक होना था, जिसके बिना कमजोर और ताकतवर लोगों के बीच की गहरी खाई, और धन व अवसरों में मौजूद भारी असमानता को पाटा नहीं जा सकता था। इसे संघीय होना था, ताकि कई राष्ट्रीयताओं, संस्कृतियों, भाषाओं, खान–पान और पहनावे की महान विविधता को सुरक्षित रखा जा सके। वह एक ऐसी विविधता थी जिसे हिंदुत्व द्वारा अपनाई जाने वाली एकध्रुवीय, एक–आयामी और संकीर्ण सोच के जरिए न तो समझा जा सकता था और न ही सुलझाया जा सकता था। जाहिर है, भारत का जो विचार संविधान ने स्थापित किया, वह किसी नव–फासीवादी कार्यप्रणाली पर नहीं चल सकता था। भारत का विचार इस सिद्धांत पर आधारित था कि अलग–अलग तरह के लोग एक समान और साझा नागरिकता के साथ रहें। इसका सीधा सा मतलब है कि ऐसा विचार श्सार्वभौमिक वयस्क मताधिकारश के सिद्धांत पर आधारित होना जरूरी था, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी को देश का हिस्सा होने का समान अधिकार मिले। एक श्राष्ट्रीय भाषाश या एक श्राष्ट्रीय धर्मश का विचार संविधान की परिकल्पना से कहीं बाहर था। पश्चिमी लोकतंत्रों की सोच के विपरीत, भारत में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और चुनावी लोकतंत्र को ही अपनाया जाना था। लेकिन अगर ऐसा न किया जाता, तो एक साझा और सामूहिक अस्तित्व में भारत की एकता खतरे में पड़ सकती थी। इस कार्यप्रणाली का मुख्य आधार एक मजबूत और संवैधानिक रूप से अधिकार प्राप्त श्भारतीय चुनाव आयोगश (ईसीआई)था, जो इस प्रतिनिधि लोकतंत्र को सुनिश्चित करे और उस पर निगरानी रखे। यह भी पूरी तरह से स्पष्ट है कि ईसीआई के लिए हर असली नागरिक को वोटर लिस्ट में शामिल करना एक श्कर्तव्यश था, न कि कोई उपकार। इसलिए, मतदाता सूची तैयार करने का काम ईसीआई का था, न कि किसी आम नागरिक का। भारत के विचार को आगे बढ़ाना ही संविधान द्वारा ईसीआई को सौंपा गया मुख्य कार्य था। दुर्भाग्य से, श्भारत के विचारश के लिए मौजूदा खतरा ठीक इसी जगह से पैदा हो रहा है। इस खतरे के मूल स्रोत को लेकर कोई बहस नहीं हो सकती। यह श्हिंदुत्वश का विचार है जो नागरिकों के बीच उनकी अलग–अलग धार्मिक पहचान के आधार पर भेदभाव करता है। भारत में, आरएसएस ठीक वैसे ही करता है जैसे डोनाल्ड ट्रंप के इमिग्रेशन एंड कस्टम्सएनफोर्समेंट (आईसीई) एजेंट लोगों में डर और असुरक्षा की भावना पैदा करने की कोशिश करते हुए करते हैं। व्यावहारिक रूप से कहें तो, अमित शाह ने उन तथाकथित घुसपैठियों की पहचान करने के लिए अपनी उंगली तक नहीं उठाई, जो दीमकों की तरह राष्ट्र की जड़ों को खोखला कर रहे हैं! इसलिए, बिना किसी ठोस सुबूत के घुसपैठियों के मुद्दे को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने का तरीका अब ईसीआई के तौर–तरीकों में भी शामिल हो गया है। पता लगाओ, हटाओ और बाहर निकालो का नारा अब ईसीआई के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की एक अलिखित पहचान बन गया है। इस अभियान का मकसद उन नागरिकों के मताधिकार को छीनना है जिन्हें दीमक कहकर बदनाम किया जा रहा है। अब यह बिल्कुल साफ हो चुका है कि एसआईआर को पूरा करने के लिए जो बहुत कम समय सीमा तय की गई है, वह पूरी तरह से अव्यावहारिक और गलत है। इससे जो नुकसान हुआ है, वह सभी के सामने हैकृखास तौर पर पश्चिम बंगाल में। पश्चिम बंगाल एक सीमावर्ती राज्य है, जहां मुसलमानों की आबादी काफी बड़ी है। अब इन्हीं लोगों के मताधिकार को छीनने की कोशिश की जा रही है। एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले, कुल मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ थी। जब ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित हुए, तो यह संख्या घटकर 7.08 करोड़ रह गई। भारी दबाव में आकर, ईसीआई ने अमित शाह के एक अनौपचारिक समर्थक की तरह काम किया और एक ऐसी रणनीति बनाई जिसका चुनाव कानूनों या उनके तहत लिखे गए नियमों में कहीं कोई जिक्र नहीं हैय और उसने श्तार्किक विसंगतिश की एक नई अवधारणा गढ़ ली। यह और कुछ नहीं, बल्कि नामों की वर्तनी में कुछ अंतर, माता–पिता और बच्चों की उम्र में अंतर, और इसी तरह की कुछ अन्य मामूली बातें हैं। यह स्पष्ट रूप से इस बात का सुबूत है कि नागरिकता की अवधारणा को पिछले दरवाजे से घुसाने की कोशिश की जा रही है। नतीजतन, लगभग 60 लाख नाम श्निर्णय के अधीनश बताकर रोक दिए गए हैं। इनमें ज्यादातर वंचित वर्ग, अल्पसंख्यक, दलित, आदिवासी और महिलाएं शामिल हैं। यह इस बात को भी स्पष्ट रूप से साबित करता है कि शुरुआत में दिए गए इस आश्वासन के विपरीत कि भौतिक सत्यापन किया जाएगा, ईसीआई को ऐसी विसंगतियों की पहचान करने के लिए डिजिटल माध्यमों का सहारा लेना पड़ा।

शादी के बाद पति संग हनीमून पर गईं मोनालिसा, समंदर की लहरों के बीच यूं एंजॉय करता दिखा कपल

> वहीं फरमान खान रिप्ड जींस और बनियान में दिखाई दे रहे हैं। दोनों एक साथ काफी एंजॉय करते और खुश दिखाई दे रहे हैं।

महाकुंभ मेले के दौरान माला बेचते हुए सोशल मीडिया पर अचानक चर्चा में आईं मोनालिसा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने मुस्लिम बॉयफ्रेंड फरमान खान के साथ शादी रचाई है, जिसके बाद से वह लगातार चर्चा में हैं। अब शादी के बाद मोनालिसा अपने पति संग हनीमून पर हैं, जहां से नवविवाहित जोड़े की तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई है। मोनालिसा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पति फरमान खान के साथ एक तस्वीर शेयर की। यह फोटो समुद्र किनारे की है, जिसमें दोनों बेहद खुश नजर आ रहे हैं। तस्वीर के साथ मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा कि वे केरल में समय बिताते हुए छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। तस्वीर में मोनालिसा वेस्टर्न लुक में दिखाई दे रही हैं। उन्होंने ब्लैक और क्रीम कलर की शर्ट के साथ ग्रे पैंट पहनी है। उनके बाल भीगे हुए नजर आ रहे हैं और उन्होंने गले में माला तथा हाथ में ब्रेसलेट पहन रखा है। वहीं फरमान खान रिप्ड जींस और बनियान में दिखाई दे रहे हैं। दोनों एक साथ काफी एंजॉय करते और खुश दिखाई दे रहे हैं। कपल की यह तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और फैंस इस जोड़ी को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें, मोनालिसा ने यह शादी अपने परिवार की इच्छा के खिलाफ की है। उनके घरवाले इस रिश्ते के पक्ष में नहीं थे और वे मोनालिसा की शादी कहीं और करना चाहते थे, लेकिन मोना को ये रिश्ता मंजूर नहीं था और उन्होंने फरमान से मंदिर में शादी कर ली। दोनों की मुलाकात एक फिल्म सेट पर हुई थी। धीरे–धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई और लगभग छह महीने से अधिक समय तक रिश्ते में रहने के बाद उन्होंने शादी करने का फैसला किया। बता दें, मोनालिसा जल्द ही अपनी डेब्यू मूवी द डायरी ऑफ मणिपुर में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन सनोज मिश्रा कर रहे हैं। वहीं, वह शख्स हैं, जो महाकुंभ में माला बेचने वाली मोनालिसा को बॉलीवुड में लेकर आए।

सलमान खान की बैटल ऑफ गलवान को मिला नया नाम, जानें क्या है नया टाइटल

सलमान खान फिल्म्स ने अपनी सबसे चर्चित फिल्म बैटल ऑफ गलवान का नया नाम आधिकारिक तौर पर घोषित कर दिया है, जो अब मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस होगा। मेकर्स ने एक बहुत ही दमदार नया पोस्टर जारी किया है, जो न सिर्फ फिल्म के नाम में बदलाव को दिखाता है, बल्कि एक ऐसा संदेश भी देता है जो आज की दुनिया के लिए बहुत जरूरी है। इस नए टाइटल की सबसे खास बात इसकी टैगलाइन है माय वॉर रेस्ट इन पीस (युद्ध को शांति मिले)। इस सोच के साथ, सलमान खान ने एक बहुत बड़ी और गहरी बात कही है, जो सिर्फ लड़ाई–झगड़े की बात न करके, पूरी दुनिया में शांति की उम्मीद को जगाती है। जहाँ यह फिल्म गलवान घाटी की ऐतिहासिक घटना से प्रेरित है, वहीं इसके नाम के पीछे छिपा संदेश रणभूमि की सीमाओं से कहीं आगे जाता है। मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस के जरिए सलमान खान एक ऐसी सोच सामने लाए हैं, जो दर्शकों के दिलों को गहराई से छू रही है। सोशल मीडिया पर इस एलान ने अभी से चर्चा छेड़ दी है और लोग फिल्म के नाम के पीछे की ताकतवर भावना और इस साहसी कदम की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

इरफान खान से तुलना पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी बोले, "उनकी जगह कोई नहीं ले सकता"

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने दिवंगत अभिनेता इरफान खान से होने वाली लगातार तुलना और कुछ प्रशंसकों के इस विश्वास पर प्रतिक्रिया दी है कि वह भारतीय सिनेमा में उनके जाने से बनी कमी को पूरा कर सकते हैं। अपने साफ–साफ और आत्ममंथन भरे जवाबों के लिए जाने जाने वाले नवाजुद्दीन ने स्पष्ट किया कि सिनेमा में उनकी यात्रा बहुत व्यक्तिगत है और किसी की जगह लेने के बारे में नहीं है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान अभिनेता ने इस सुझाव पर प्रतिक्रिया दी कि वह इरफान खान की कमी को भर सकते हैं। नवाजुद्दीन ने विनम्रता के साथ इस विचार को खारिज करते हुए कहा कि उनका ध्यान हमेशा एक अभिनेता के रूप में खुद को विकसित करने पर रहा है, न कि किसी और की जगह लेने पर। "मैं खुद को भरने आया हूँ। मैं किसी भी अभिनेता की कमी को भरना नहीं चाहता," उन्होंने कहा। "मुझमें बहुत सी कमजोरियाँ हैं। मैं अपने भीतर की उस कमी को भरना चाहता हूँ। यह मेरी निजी यात्रा है। मैं यहाँ किसी के लिए नहीं आया हूँ। मैं वही करना चाहता हूँ जो मैं करना चाहता हूँ।" अभिनेता ने यह भी जोर देकर कहा कि किरदारों के माध्यम से आत्म–खोज और विकास ही उनकी असली प्रेरणा है। उनके अनुसार हर कलाकार को दूसरों से अपनी तुलना करने के बजाय अपने भीतर झांकना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, "मुझे पता है कि मुझमें कई कमजोरियाँ हैं और मैं उन्हें किरदारों के जरिये समझना और दूर करना चाहता हूं। यही मेरा ध्यान है। भगवान ने आपको इतना कुछ दिया है कृ आपको उसी पर ध्यान देना चाहिए। आपको दूसरे अभिनेताओं की ओर देखने की जरूरत नहीं है। आपके भीतर बहुत कुछ है, आपको बस उसे खोजने की जरूरत है। नवाजुद्दीन का यह बयान उस सोच को दर्शाता है जिसने उनके करियर को परिभाषित किया है। वर्षों में उन्होंने भारतीय सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान बनाई है और गैंग्स ऑफ वासेपुर, द लंचबॉक्स और बदलापुर जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय के जरिये यह साबित किया है कि परंपरागत ढाँचे से अलग अभिनेता भी आलोचकों की सराहना और दर्शकों का प्यार दोनों हासिल कर सकते हैं। काम के मोर्चे पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के पास कई दिलचस्प परियोजनाएँ आने वाली हैं। इनमें अदालत आधारित नाटक सेक्शन 108, अंतरराष्ट्रीय चोरी–रोमांच कथा द ग्रेट एस्केप फरार और बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी तुम्बाड़ 2 शामिल हैं, जिसे लेकर प्रशंसकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह देखा जा रहा है।

विजय के लिए घरवालों से भिड़ गई थीं रश्मिका, परिवार ने दी थी इंडस्ट्री से दूर रहने की सलाह

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा फरवरी में अपने परिवारवालों की मौजूदगी में शादी के बंधन में बंध चुके हैं। मगर एक वक्त ऐसा था जब रश्मिका के परिवार वाले उन्हें विजय के नजदीक नहीं देखना चाहते थे। साथ ही रश्मिका को विजय की को–स्टार बनने से भी मना कर दिया था। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद प्यार दिया था। कपल की पहली फिल्म गीता गोविंदम (2018) सिनेमाघरों में काफी पॉपुलर हुई थी। मगर इसके बाद उन्हें परिवार विजय के साथ काम करने से मना कर दिया था। फिल्म के प्री रिलीज इवेंट में रश्मिका ने बताया था कि मेरे परिवार वाले मेरे फिल्म इंडस्ट्री में आने को लेकर काफी नाराज थे। उन्हें यह लगता था कि फिल्मी दुनिया लड़कियों के लिए सेफ नहीं है। विजय के साथ गीता गोविंदम करने के बाद भी परिवार चाहता था कि मैं श्डियर कॉमरेड में एक्टिंग न करूं। मगर मैंने लड़ाई की और फिर फिल्म पूरी की। विजय ने भी इसपर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि मैं जानता हूं कि इस प्रोजेक्ट को मंजूरी देना रश्मिका के लिए कितना मुश्किल रहा होगा। इस फिल्म से उनके जीवन पर काफी असर पड़ा था। फिर भी उन्होंने इसमें काम किया था और लिली के किरदार के लिए अपनी जान लगा दी थी। इस बात के लिए मैं रश्मिका का धन्यवाद करता हूं। फिल्म में उन्होंने बहुत ही अच्छा काम किया है। रश्मिका मंदाना आने वाले वक्त में कई फिल्मों में नजर आएंगी। इनमें कॉकटेल 2, रणबाली, एनिमल पार्क, पुष्पा 3 और मैसा के नाम शामिल हैं। फिल्म रणबाली में रश्मिका को उनके एक्टर पति विजय देवरकोंडा के साथ देखा जाएगा। बात करें फिल्म मैसा की तो इसमें रश्मिका बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आएंगी। 27 जून 2025 को इस फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज किया गया था, जिसमें रश्मिका को दमदार अंदाज में देखा गया था।

आलिया भट्ट ने अपने बर्थडे पर शुरू की नई पहल, बच्चों के लिए लॉन्च किया नया सेगमेंट

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने हाल ही में अपना 33वां बर्थडे मनाया। इस खास मौके पर उन्होंने अपने फैंस और खासकर बच्चों के लिए एक नई पहल की घोषणा कर सबको सरप्राइज दे दिया। आमतौर पर जन्मदिन पर सितारों को तोहफे मिलते हैं, लेकिन आलिया ने इस बार अपने बर्थडे को खास बनाते हुए छोटे बच्चों के लिए एक नई पहल शुरू करने का फैसला किया है। आलिया भट्ट ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी के तहत बच्चों के लिए एक नया सेगमेंट लॉन्च किया, जिसका नाम एटम किडस रखा गया है। इस पहल के जरिए वह बच्चों के लिए मजेदार, भावनात्मक और कल्पनाशील कहानियों पर आधारित कंटेंट तैयार करेंगी। आलिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस नए सेगमेंट के तहत कई प्रोजेक्ट्स पर पहले से काम शुरू हो चुका है। उनके अनुसार, 'म्जमतदंस झपके' बच्चों के लिए दिल को छू लेने वाली कहानियां और रोचक किरदार लेकर आएगा, जो उन्हें मनोरंजन के साथ–साथ प्रेरणा भी देगा। आलिया की इस पहल को फैंस और इंडस्ट्री के लोगों से काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। कई लोगों ने इसे बच्चों के लिए मनोरंजक और रचनात्मक कंटेंट बनाने की दिशा में एक अच्छी शुरुआत बताया है। काम की बात करें तो आलिया भट्ट और रणबीर कपूर इन दिनों निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ विक्की कौशल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

समर सीजन में ऐसे करें अपने स्कैल्प की केयर, इन बातों का रखें ध्यान

समर सीजन में भीषण गर्मी पड़ने से स्कैल्प में ड्राइनेस होने की समस्या हो जाती है। साथ ही इसका असर बालों पर भी पड़ता हैं। समर सीजन में स्कैल्प की केयर करनी चाहिए। बालों से जुड़ी समस्या पैदा न हो। वहीं अगर स्कैल्प हेल्दी रहेगा तो बाल भी सुंदर होंगे। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें आप स्कैल्प की केयर करने के लिए फॉलो करें।

स्कैल्प की मसाज करें

स्कैल्प को हेल्दी रखने के लिए आप तेल से स्कैल्प की अच्छी तरह से मसाज करें। स्कैल्प की मसाज करने से जहां ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और स्कैल्प भी हेल्दी रहता है। वहीं स्कैल्प के हेल्दी रखने से बालों में विकास होती है। वहीं बाल झड़ने की समस्या कम होती है।

शैम्पू का ज्यादा न करें इस्तेमाल

समर सीजन में ज्यादा बालों को धोने से बचना चाहिए। हफ्ते में सिर्फ दो से तीन बार ही धोना चाहिए। बालों को ज्यादा धोने से बालों स्कैल्प को नुकसान हो सकता है। वहीं बालों को धोते समय कम शैम्पू का इस्तेमाल करें। बालों के लिए बेहतर शैम्पू के इस्तेमाल करें और इसके लिए आप डर्मेटोलॉजिस्ट या किसी ब्यूटी एक्सपर्ट की सलाह ले सकते हैं।

स्कैल्प पर न लगाएं कंडीशनर

गर्मियों के मौसम में पसीना बहुत होता है और इस वजह से हेयर्स ड्राई हो जाते हैं। कंडीशर का स्कैल्प पर इस्तेमाल करने से ड्राई हो जाते हैं। इसका प्रयोग करते समय ध्यान रखे कि इसे स्कैल्प पर न लगाएं। कंडीशनर स्कैल्प पर लगाने से बालों की जड़ों पर इसका असर है जो बालों को नुकसान पहुंता सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

– बालों पर ज्यादा हीटिंग टूल्स का इस्तेमाल न करें।
– बाहर जाने के दौरान बालों को बांध कर रखे।
– धूल और प्रदूषण से बचाने के लिए बालों को कवर करें।
– बालों को ठंडे पानी से धोने से बचें।

गर्मियों में आपको ठंडा रखेंगे ये 5 सुपरफूड्स, आज ही करें डाइट में शामिल

गर्मियों का मौसम आते ही अपने साथ बहुत सी परेशानियों को साथ लेकर आता है। गर्मी में जैसे जैसे तापमान बढ़ता जाता है वैसे वैसे डिहाइड्रेशन, हमारे शरीर में पानी की कमी, थकान, चिड़चिड़ापन और बेचौनी जैसी दिक्कतें भी आने लगती हैं। तापमान इतना ज्यादा होता है कि हमारा इस मौसम में कुछ ठंडा ठंदा पिने का मन करता है जिसके लिए हम अक्सर पानी , जूस या अन्य ठंडे ड्रिंक का सेवन करते रहते हैं लकिन गर्मियों में हमें ऐसे पौष्टिक तत्वों की जरूरत होती है जो के आपको शरीर में किसी तरह की कमी न होने दे। ऐसे में मौसमी फूड हमारी सेहत के लिए अच्छा साबित हो सकता है। इसमें कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ है जो ठंडे होते है और शरीर को भी ठंडा रखते हैं।

ताजे फलों का करें सेवन

गर्मियों के मौसम में तरबूज की बाजारों में भरमार होती है साथ ही कई रसदार फल पोषण के लिए पसंद किए जाते है। नींबू, लाइम, अंगूर, आम, संतरा, अनानास, स्ट्रॉबेरी और टमाटर जैसे खट्टे फल विटामिन सी और ए, बी, ई और के जैसे अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। विटामिन सी आयरन के अवशोषण में सहायता करता है, हमारे इम्यून सिस्टम के लिए अच्छा है। स्वस्थ दांतों और मसूड़ों के लिए अच्छे है। खरबूजे और तरबूज जैसे हाइड्रेटिंग फल गर्मी के महीनों में सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। विटामिन सी से भरपूर, वे शरीर में हाइड्रेशन स्तर को बनाए रखते है।

सोयाबीन का सेवन

गर्मियों में मांस का सेवन कम करने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह पाचन के दौरान शरीर में अधिक गर्मी पैदा करता है। सोयाबीन अंडे और मांस के अच्छे विकल्प के रूप में काम कर सकते है। यह आवश्यक खनिज, प्रोटीन और विटामिन बी से भरपूर है, जो इसे आपके लिए एक संतुलित डाइट बनाता है।

खीरे की ठंडक

गर्मियों का यह सुपरफूड 96 प्रतिशत पानी से बना है, जो इसे आपके शरीर के लिए तुरंत हाइड्रेटर बनाता है। 100 ग्राम खीरे में केवल 16 कैलोरी होती है और यह फाइबर से भरपूर होता है। अपने डिटॉक्स पानी में खीरे के टुकड़े मिक्स करें, उन्हें सलाद में लें, या आप इसे एक हाइड्रेटिंग फेस मास्क के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

अंजीर के टुकड़े

ये हल्के मीठे गोल से फल गर्मियों में काफी अच्छे होते है। और वे आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद हैं। अंजीर कैल्शियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम का अच्छा स्रोत है। ये हड्डियों के लिए भी काफी अच्छे होते है। इनमें प्रीबायोटिक्स होते हैं जो पेट के अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखते है।

अगर आपको भी मधुमेह या प्री-डायबिटीज है तो खाली पेट खाने के लिए तीन 'सबसे खराब' फूड्स हैं

अधिकांश लोगों के नाश्ते में मक्खन लगा हुआ टोस्ट और फल या फलों का रस शामिल होता है। लेकिन अगर आप स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा भी सचेत हैं, तो आपको पता होना चाहिए कि विशेषज्ञों के अनुसार दिन की शुरुआत करने के लिए फल तीन सबसे खराब खाद्य पदार्थों में से एक हैं। "सुबह–सुबह, हार्मोनल परिवर्तनों के कारण रक्त शर्करा आमतौर पर अनियंत्रित होती है। इसलिए, फल, शहद और बिस्कुट आपके दिन की शुरुआत करने के लिए सबसे खराब फूड्स हैं,'' हेल्थ हैच इंस्टाग्राम पेज पर एक रील में उल्लेख किया गया है। लेकिन सिर्फ ये ही नहीं, यहां तक घ्घकि ब्रेड, टोस्ट/खारी, फलों का रस आदि भी रक्त शर्करा के स्तर पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं और इनसे बचना चाहिए। सहमत होते हुए, डॉ नीति ए पटेल, मधुमेह विशेषज्ञ, थायरॉयड विशेषज्ञ, स्कोप प्रमाणित मोटापा चिकित्सक, ऐस ऑर्थो–डायबिटो केयर, मुंबई ने कहा कि कोई भी भोजन जो इसमें मौजूद चीनी को तेजी से जारी करता है (उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स भोजन) से बचना चाहिए, खासकर खाली पेट। यह शरीर में शुगर को बढ़ा देगा और शुगर नियंत्रण को अव्यवस्थित कर देगा।

डॉक्टर के मुताबिक

–सफेद या साबुत ब्रेड में उच्च जीआई सूचकांक होता है, और ये अत्यधिक प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ होते हैं जिनमें कोई पोषक तत्व और फाइबर नहीं होता है।

– फलों के रस (ताजा या पैक) प्राकृतिक शर्करा से भरपूर होते हैं। इनमें बहुत सारे विटामिन, खनिज और फाइबर होते हैं लेकिन खाली पेट ये बिल्कुल भी वर्जित हैं। डॉ. पटेल ने कहा, ''दिन में बाद में पूरे फल को मध्य भोजन नाश्ते के रूप में लिया जा सकता है।

– डॉ. पाटिल ने कहा, कॉर्न फ्लेक्स/अनाज बार/म्यूसलीरू हालांकि इन खाद्य पदार्थों को प्रोटीन से भरपूर/बिना अतिरिक्त चीनी/बाजरा आधारित के रूप में लेबल किया गया है, फिर भी हमें सामग्री सूची की पूरी तरह से जांच करनी चाहिए। आमतौर पर, इन उत्पादों में चीनी की मात्रा अधिक होती है (व्यावसायिक ब्रांड इस तथ्य को छिपाने के लिए शर्करा के विभिन्न रूपों या नामों का उपयोग करते हैं),

–हालांकि साबुत फलों में फाइबर होता है, रस निकालने की प्रक्रिया इसे खत्म कर देती है, जिससे चीनी की एक केंद्रित आपूर्ति रह जाती है जो रक्त शर्करा के स्तर को तेजी से बढ़ा सकती है। मारेंगो एशिया हॉस्पिटल, गुरुग्राम की वरिष्ठ सलाहकार, पोषण और आहार विज्ञान, डॉ नीति शर्मा ने कहा, "फलों के रस से रक्त शर्करा के स्तर में अचानक वृद्धि हो सकती है क्योंकि इसमें चीनी के अवशोषण को धीमा करने के लिए फाइबर की कमी होती है।"

– इसके अलावा, जब खाली पेट खाया जाता है, तो पेस्ट्री और मीठे बेक किए गए सामान जैसे क्रोइसैन, मफिन और मीठे रोल मधुमेह या प्री–डायबिटीज वाले लोगों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होते हैं क्योंकि उनमें अतिरिक्त शर्करा और परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है। डॉ. शर्मा ने कहा, ष्समय के साथ, ये भोजन इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बन सकता है, जिससे रक्त शर्करा को नियंत्रित करना और भी मुश्किल हो जाएगा।''

आप कौन से विकल्प चुन सकते हैं?

धर्मशिला नारायण सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में आंतरिक चिकित्सा के वरिष्ठ सलाहकार, डॉ. गौरव जैन ने कहा, सूचित आहार विकल्प चुनकर, मधुमेह या पूर्व–मधुमेह वाले व्यक्ति अपने रक्त शर्करा को बेहतर ढंग से नियंत्रित कर सकते हैं और अपने समग्र कल्याण का समर्थन कर सकते हैं।

1) मेवे और बीज

2) कोई भी वस्तु जो दाल आधारित हो। जैसे– दाल अप्पम

3) भारी नाश्ता करने वालों के लिए कार्ब्स के साथ प्रोटीन एक अच्छा विकल्प होगा। उदाहरण के लिए, दही के साथ सब्जी भरवां परांठा।

पूरे दिन ब्लड प्रेशर के स्तर को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए संतुलित भोजन और स्नैक्स का चयन करना महत्वपूर्ण है जिसमें दुबला प्रोटीन, स्वस्थ वसा, फाइबर युक्त कार्बोहाइड्रेट और भरपूर सब्जियां शामिल हों। डॉ. शर्मा ने कहा, ''साबुत अनाज, कम चीनी वाले अनाज, कम मात्रा में साबुत फल, या नट्स और बीज जैसे स्वास्थ्यवर्धक स्नैक विकल्प बेहतर हैं क्योंकि इनमें पोषक तत्व अधिक होते हैं और रक्त शर्करा के स्तर में तेज बदलाव की संभावना कम होती है।''

केरल घूमने का बना रहे प्लान तो जरूर एक्सप्लोर करें वागामोन, बेहद खूबसूरत है यह जगह

अगर आप भारत के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आप दक्षिण भारत के केरल राज्य में घूमने के लिए जा सकते हैं। यहां की हरियाली, धार्मिक स्थलों, शांत माहौल, प्राकृतिक सुंदरता और झीलों के कारण लोकप्रिय है। केरल में घूमने के लिए कई पर्यटन स्थल हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। साथ ही पर्यटकों को बार–बार यहां आने के लिए उत्साहित करते हैं। ऐसे में आप केरल की वागामोन नामक जगह घूमने जा सकते हैं। केरल की इडुक्की सीमा में स्थित कोट्टायम वागामोन का मुख्य आकर्षण है। वागामोन में घूमने और देखने के लिए आपको कई ऑप्शन मिल जाएंगे। आप कम पैसों में भी यहां पर आसानी से घूम सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वागामोन ट्रिप से जुड़ी सभी जानकारी देने जा रहे हैं।

वागामोन पाइन जंगल

पाइन जंगल में पहुंचने के बाद आप खुद को नेचर के बेहद करीब महसूस करेंगे। इस जंगल को ब्रिटिश काल के दौरान बनवाया गया था। शाम के समय में पाइन जंगल की सुंदरता देखते ही बनती है।

वागामोन झील

अगर आप भी वागामोन घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यहां पर आप वागामोन झील देखने के लिए जा सकते हैं। हरी–भरी पहाड़ियों और पन्ना ग्रीन टी के बागानों के बीच यह झील स्थित है। इस झील का पानी बेहद शांत है। जो आपको सुकून का अनुभव कराता है। आप यहां पर अपने पार्टनर या फिर दोस्तों के साथ घूमने के लिए आ सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर अन्य एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

मारमला झरना

वागामोन के मुख्य आकर्षणों में एक मारमाला झरना है। मारमाला झरना कोट्टायम जिले के ईराटूपेट्टा में स्थित है। यह स्थान पहाड़, पेड़ों और घनी झाड़ियों से घिरा है। जो जंगल की जादूगरनी के रूप में दिखता है। आप चाहें तो यहां पर ट्रैकिंग का भी लुत्फ उठा सकते है।

उलीपुनी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

वागामोन में उलीपुनी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी स्थित है। ऐसे में अगर आप वन्य जीवों में रुचि रखते हैं, तो यहां पर घूमने के लिए जा सकते हैं। साथ ही कुछ समय प्रकृति के बीच बिता सकते हैं। उलीपुनी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में आप बाघ, हाथी समेत कई जानवर देखने के साथ पहाड़ों और झीलों के बीच बोटिंग का मजा ले सकते हैं।

गुणों की खान है अमरुद की पत्तियों से बना चूर्ण, अनगिनत स्वास्थ्य लाभ कर देंगे हैरान

अमरुद एक ऐसा फल है जो बाजार में आपको आसानी से मिल जाएगा। स्वादिष्ट होने के साथ–साथ यह फल स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। अमरुद ही नहीं बल्कि इसकी पत्तियां भी सेहत को ढेरों फायदे देती हैं। इसके पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट्स गुण मौजूद होते हैं जो सेहत संबंधी समस्याओं से छुटकारा दिलवाने में मदद करते हैं। इसके अलावा इनमें विटामिन–सी, विटामिन–बी, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पौटेशियम, प्रोटीन जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इन पत्तों को सुखाकर यदि इनका चूर्ण बनाकर खाया जाए तो भी कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं दूर होती हैं। तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं अमरुद के पत्तों से बना चूर्ण खाने के फायदे।

कोलेस्ट्रॉल रहेगा कंट्रोल

एक्सपर्ट्स की मानें को अमरुद के पत्तों से बनी चाय का सेवन करने के कोलेस्ट्रॉल का स्तर नियंत्रित रहता है। वहीं इन पत्तों से बना चूर्ण दिल के मरीजों के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है।

वजन होगा कम

अमरुद के पत्तों में फाइबर मौजूद होता है। ऐसे में इन पत्तों का बना चूर्ण खाने से वजन घटाने में मदद मिलती है।

बीपी रहेगा कंट्रोल

अमरुद की पत्तियों में पौटेशियम और फाइबर काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में यह ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है। इसके चूर्ण से बना घोल पानी में डालकर पीने से आपका ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहेगा।

डायबिटीज रहेगी कंट्रोल

इन पत्तों में ऐसे कई एंजाइम्स मौजूद होते हैं जो ग्लूकोज को खून में फैलने से रोकते हैं। इस चूर्ण को पानी में मिलाकर पीने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

सर्दी जुकाम से मिलेगी राहत

यदि आप सर्दी–जुकाम को समस्या से परेशान हैं तो अमरुद के पत्तों से बना चूर्ण पीन में मिलाकर पिएं। इससे आपको समस्या से राहत मिलती है।

कब्ज से मिलेगी राहत

यदि आपको कब्ज रहती है तो रोजाना आप अमरुद के पत्तों से बना चूर्ण गर्म पानी के साथ लें। इसमें पाया जाने वाला फाइबर मल त्यागने की प्रक्रिया को आसान बनाने में मदद करता है।

वजन घटाने में मिलेगी मदद

अमरुद के पत्तों में फाइबर काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है ऐसे में इससे बना चूर्ण खाने से वजन कम करने में मदद मिलती है।

संक्षिप्त

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 568 अंक चढ़ा, निफ्टी 23500 के पार

नई दिल्ली,एजेंसी। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 567.99 अंक या 0.75 प्रतिशत बढ़कर 76,070.84 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 172.35 अंक या 0.74 प्रतिशत चढ़कर 23,581.15 पर बंद हुआ। बैंकिंग और मार्केट एक्सपर्ट अजय बग्गा के मुताबिक, कैश इक्विटी सेगमेंट में एफपीआई ने 9,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली की। इसके बावजूद दिन के अंत में आई तेजी ने बाजार की दिशा बदल दी। वैश्विक संकेत भी सकारात्मक रहे। अमेरिका के बाजार मजबूती के साथ बंद हुए, जहां टेक्नोलॉजी शेयरों को एनविडिया के मजबूत गाइडेंस से सहारा मिला। इसके असर से एशियाई बाजारों की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई। वहीं, रिजर्व बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया (त्ठ।) ने उम्मीद के मुताबिक 25 बेसिस प्वाइंट की दर वृद्धि की। हालांकि, अजय बग्गा ने चेतावनी दी कि कच्चे तेल की स्थिति वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई है। ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य प्रभावित होने से कच्चे तेल, एलएनजी और एलपीजी की आपूर्ति बाधित हो रही है। उनका कहना है कि ईरान–अमेरिका संघर्ष खत्म होने के बाद भी तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं, जो वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर दबाव डालेंगी।

सेंसेक्स 321 अंक चढ़ा, निफ्टी में भी तेजी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हरे निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में निफ्टी 50 84.40 अंक या 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,493.20 पर खुला, जबकि बीएसई सेंसेक्स 321.32 अंक या 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,824.17 पर खुला। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे गिरकर 92.42 पर आ गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से, इटरनल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, टाटा स्टील, इंटरग्लोब एविएशन और भारती एयरटेल प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। इंफोसिस, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सबसे पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। बैंकिंग और मार्केट एक्सपर्ट अजय बग्गा के मुताबिक, कैश इक्विटी सेगमेंट में एफपीआई ने 9,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली की। इसके बावजूद दिन के अंत में आई तेजी ने बाजार की दिशा बदल दी।

वैश्विक संकेत भी सकारात्मक रहे। अमेरिका के बाजार मजबूती के साथ बंद हुए, जहां टेक्नोलॉजी शेयरों को एनविडिया के मजबूत गाइडेंस से सहारा मिला। इसके असर से एशियाई बाजारों की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई। वहीं, रिजर्व बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने उम्मीद के मुताबिक 25 बेसिस प्वाइंट की दर वृद्धि की। हालांकि, अजय बग्गा ने चेतावनी दी कि कच्चे तेल की स्थिति वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई है। ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य प्रभावित होने से कच्चे तेल, एलएनजी और एलपीजी की आपूर्ति बाधित हो रही है। उनका कहना है कि ईरान–अमेरिका संघर्ष खत्म होने के बाद भी तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं, जो वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर दबाव डालेंगी।

इस रिपोर्ट के लिखे जाने के समय अन्य एशियाई बाजारों में अधिकांश प्रमुख सूचकांक हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। जापान का निक्केई 225 0.29 प्रतिशत बढ़कर 53908 के स्तर पर, हांगकांग का हैंग सेंग 0.94 प्रतिशत बढ़कर 26078 के स्तर पर, ताइवान का भारित सूचकांक 1.57 प्रतिशत बढ़कर 33865 के स्तर पर और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.63 प्रतिशत बढ़कर 5695 के स्तर पर पहुंच गया। सोमवार को अमेरिकी बाजारों में सभी प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। डाउ जोन्स 0.83 प्रतिशत बढ़कर 46946 के स्तर पर बंद हुआ, एसएंडपी 500 1 प्रतिशत बढ़कर 6,699.38 के स्तर पर पहुंच गया और नैस्डैक भी 1.22 प्रतिशत बढ़कर 22374 के स्तर पर पहुंच गया। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में लगातार वृद्धि जारी रही और यह 2.82 प्रतिशत बढ़कर 103 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गई। सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई और पिछले सप्ताह की तुलना में 24 कैरेट सोने की कीमत घटकर 156653 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। चांदी की कीमतों में भी गिरावट आई और वर्तमान में यह 259160 रुपये प्रति किलोग्राम है। संस्थागत निवेश के मोर्चे पर, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 9366 करोड़ रुपये की शुद्ध बिक्री दर्ज की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 12593 करोड़ रुपये के शुद्ध निवेश के साथ समर्थन प्रदान किया।

मलिंगा–कोहली या गेल नहीं, डिविलियर्स ने इन्हें टी20 का महानतम खिलाड़ी बताया

नई दिल्ली,एजेंसी। टी20 क्रिकेट में महानतम खिलाड़ी को लेकर बहस हमेशा से होती रही है। कोई विराट कोहली को सर्वश्रेष्ठ मानता है, तो कोई क्रिस गेल की विस्फोटक बल्लेबाजी को टी20 का असली चेहरा बताता है। वहीं लसिथ मलिंगा जैसे घातक गेंदबाजों का भी इस फॉर्मेट में बड़ा दबदबा रहा है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने टी20 क्रिकेट के महानतम खिलाड़ी को लेकर एक अलग ही राय दी है। दिलचस्प बात यह है कि खुद डिविलियर्स का नाम भी टी20 के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शुमार हैं। हालांकि, उन्होंने न तो खुद का, न कोहली, न गेल और न ही मलिंगा का नाम लिया। डिविलियर्स ने एक वीडियो में ऐसे भारतीय गेंदबाज को टी20 का सबसे महान बताया, जिसका नाम सुनकर बड़े बड़े बल्लेबाज कांप जाते हैं। उस गेंदबाज का नाम है– जसप्रीत बुमराह। क्रिकेट कमेंटेटर निखिल उत्तमचंदानी ने एक पुराना वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो के कैप्शन में निखिल ने लिखा, एबीडी को पहले से पता था बुमराह महान हैं। उनके इस बयान के बाद बुमराह टीम इंडिया को दो–दो टी20 विश्वकप खिताब दिला चुके हैं। वीडियो में निखिल एबीडी से पूछते हैं– टी20 का सर्वकालिक महान खिलाड़ी कौन है? इस पर डिविलियर्स जवाब देते हैं– यह विवादित रहने वाला है। इसे विवादित नहीं कहूंगा, लेकिन लोग इस पर ताने जरूर मारेंगे। मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह टी20 के सर्वकालिक महान खिलाड़ी हैं। इसके बाद डिविलियर्स ने चुटकी लेते हुए कहा, हालांकि, मुझे गेंदबाजी करते हुए महान नहीं हैं।

मिस्टर 360 डिग्री नाम से मशहूर डिविलियर्स ने वीडियो में बुमराह की खासियत भी बताई। एबीडी ने कहा, उनकी कंसिस्टेंसी शानदार है। 20 ओवर के खेल में किसी भी परिस्थिति में वह गेंदबाजी कर सकते हैं और भारी दबाव में विकेट निकालने की भी उनमें गजब की क्षमता है। चाहे नई गेंद हो या पुरानी गेंद, वह किसी से भी गेंदबाजी कर सकते हैं। सुपर ओवर हो तो उन्हें गेंद थमा दो और वह आपको जीत दिला देंगे। यही हैं जसप्रीत बुमराह। एक तरफ जहां टी20 के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शुमार डिविलियर्स बुमराह को सर्वकालिक महान बता रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान के सीनियर चयनकर्ता आकिब जावेद ने बेतुका बयान दिया था। आकिब जावेद ने बुमराह की अनोखी गेंदबाजी एक्शन की तारीफ करते हुए उनकी तुलना पाकिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर उस्मान तारिक से कर दी। हालांकि यह तुलना क्रिकेट फैंस को पसंद नहीं आया और आकिब की खूब आलोचना हुई। फैंस का कहना था कि बुमराह जैसे विश्वस्तरीय तेज गेंदबाज की तुलना एक अपेक्षाकृत कम चर्चित खिलाड़ी से करना बेतुका है। पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाजों में शुमार शोएब अख्तर तो मैच अवेयरनेस के मामले में बुमराह की तुलना स्विंग के किंग वसीम अकरम से कर चुके हैं।

केकेआर की मुश्किलें बढ़ीं! ज्यादातर मैचों से दूर रह सकता है यह स्टार गेंदबाज

कोलकाता,एजेंसी। आईपीएल 2026 के आगाज का काउंटडाउन शुरू हो गया है। 28 मार्च को लीग का पहला मुकाबला खेला जाएगा। हालांकि, इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा घुटने की सर्जरी के कारण टूर्नामेंट के बड़े हिस्से से बाहर रह सकते हैं। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के मुताबिक, राणा ने फरवरी में घुटने की सर्जरी कराई थी और फिलहाल वह पुनर्वास (रिहैब) की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी फिटनेस पर नजर रखे हुए है, लेकिन अभी तक उनकी वापसी की कोई तय तारीख सामने नहीं आई है। वहीं, दूसरी तरफ स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा मंगलवार को मुंबई इंडियंस के स्क्वॉड से जुड़ गए हैं। मुंबई इंडियंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर कर इसकी जानकारी दी है। सोशल मीडिया पोस्ट में एमआई ने बताया कि हिटमैन नए सीजन से पहले टीम में शामिल हो रहे हैं! अगर वह पूरे टूर्नामेंट से बाहर रहते हैं, तो यह लगातार दूसरा बड़ा टूर्नामेंट होगा जिसे वह चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे।हर्षित राणा को यह चोट भारत के टी20 विश्व कप के वॉर्म–अप मैच के दौरान लगी थी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए उस अभ्यास मुकाबले में उन्होंने सिर्फ एक ओवर फेंका था, जिसके बाद उन्हें घुटने में परेशानी महसूस हुई। जांच में उनके दाहिने घुटने के लिगामेंट में खिंचाव पाया गया, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। उनकी जगह टीम में मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया था। हालांकि सिराज को पूरे टूर्नामेंट में केवल भारत के पहले मैच में ही खेलने का मौका मिला था। केकेआर की मुश्किलें केवल राणा की चोट तक सीमित नहीं हैं

टीम के पास इस सीजन में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान भी उपलब्ध नहीं होंगे। भारत और बांग्लादेश के बीच हाल के महीनों में तनावपूर्ण भू–राजनीतिक परिस्थितियों के कारण बीसीसीआई ने केकेआर को मुस्तफिजुर को रिलीज करने का निर्देश दिया था। हालांकि फ्रेंचाइजी को उनकी जगह खिलाड़ी लेने की अनुमति मिली और टीम ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को अपने साथ जोड़ा है।

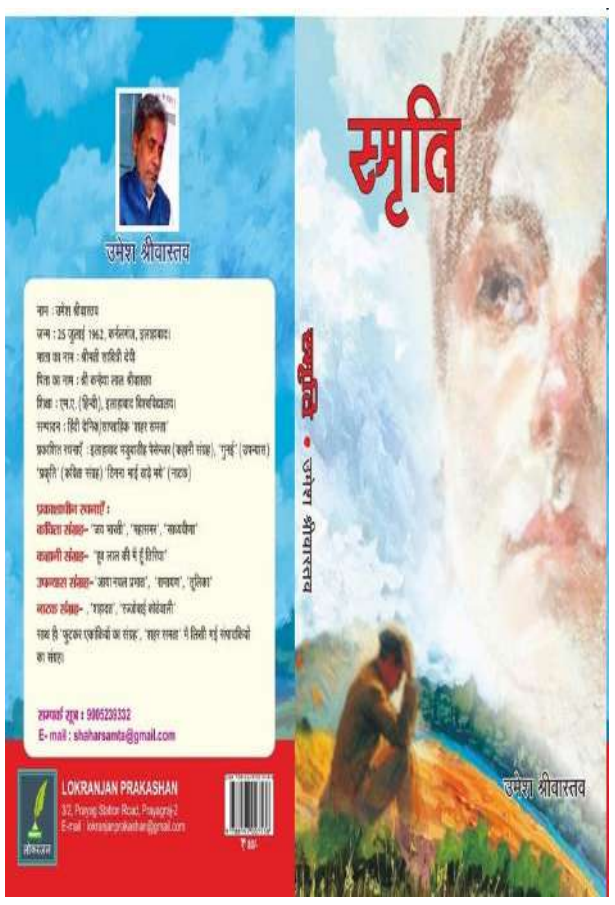

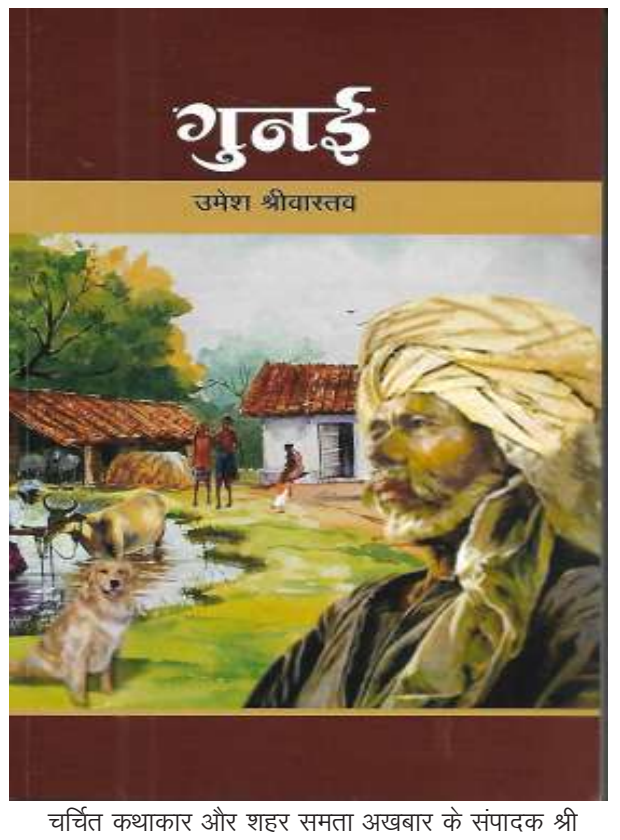

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

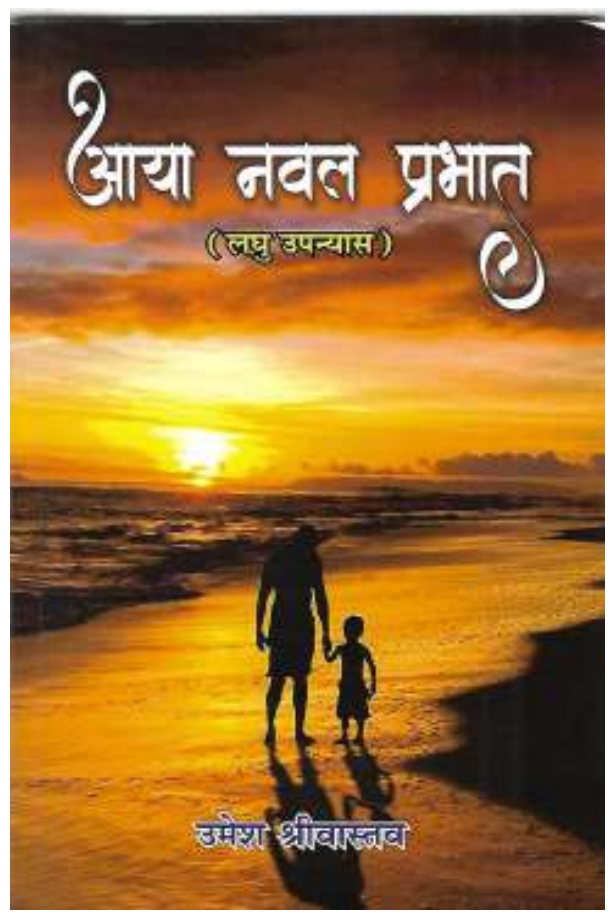

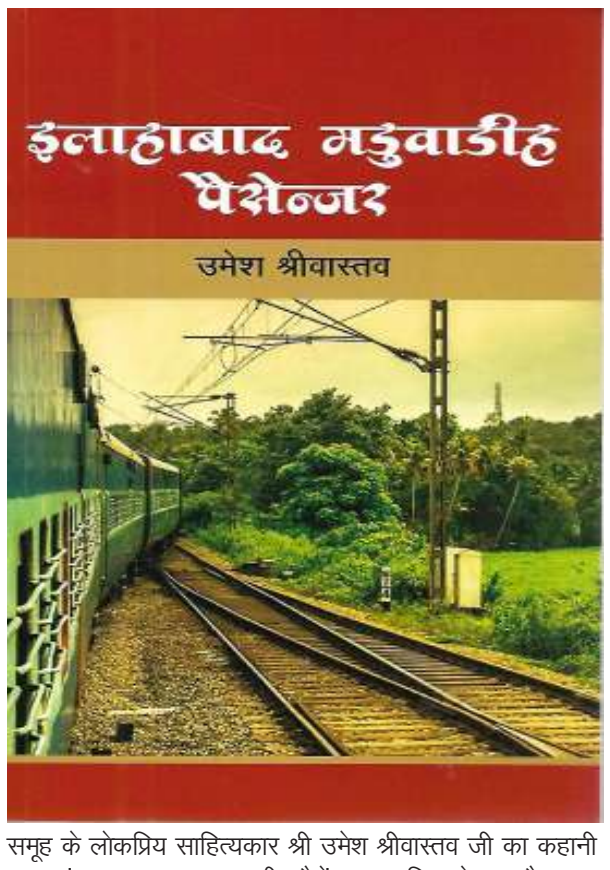

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

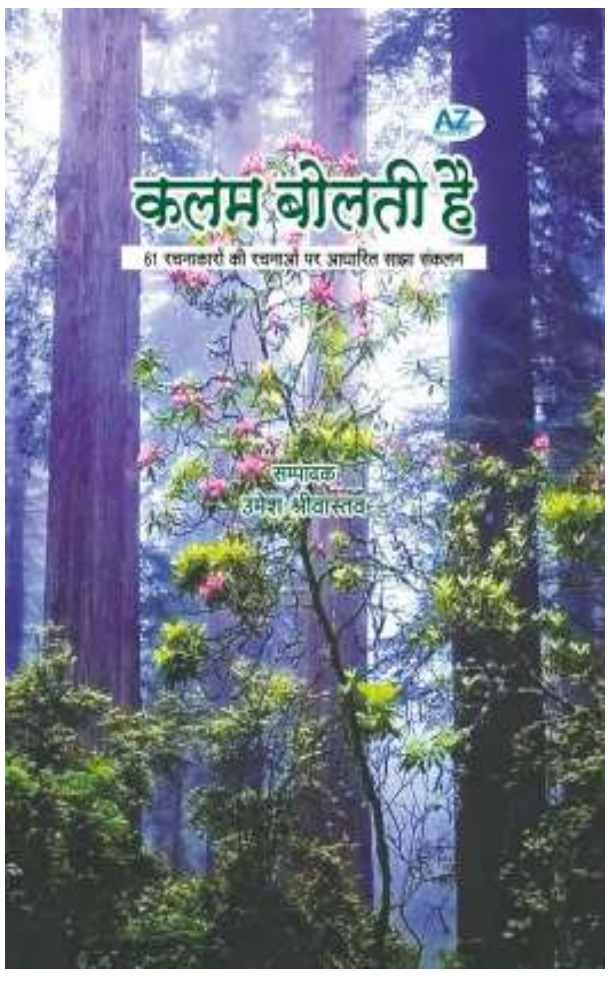

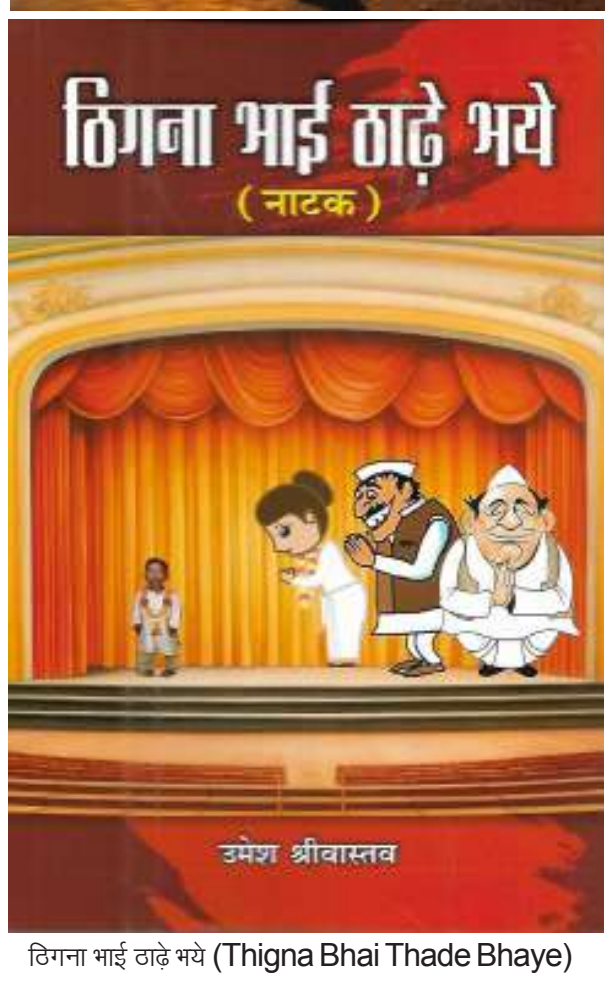

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पश्चिम एशिया संघर्ष : अमेरिका ने ईरान पर और कड़े किए नियम, तेल व्यापार और वित्तीय सपोर्ट पर सख्त एक्शन की तैयारी

काबुल, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन–प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 18वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अमेरिका ने ईरान के खिलाफ और सख्त कदम उठाए हैं। इसके तहत अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने ईरान के ऊर्जा क्षेत्र पर बैन को और कड़ा करने के लिए बड़ा बिल पास किया है। तेहरान के साथ चल रहे तनाव के बीच अमेरिका की दोनों पार्टियों के प्रतिनिधियों ने और कड़े कदम उठाने पर जोर दिया। इस नए बिल का नाम श्एन्हांस्ड ईरान सैंक्शन्स एक्टश है, जो सीनेट में पास हो गया। इससे ईरान के तेल व्यापार और उसके ग्लोबल नेटवर्क पर दबाव बढ़ाने के लिए दोनों पार्टियों का बड़ा समर्थन दिखा।

वोट के बाद एक बयान में कांग्रेसी माइक लॉलर ने कहा कि इस जरूरी कानून का मकसद ईरान के गैरकानूनी तेल व्यापार को बढ़ावा देने वाली विदेशी कंपनियों पर अमेरिका के बैन सिस्टम को और मजबूत करना है। इस बिल को 295 सदस्यों ने को–स्पॉन्सर किया था, 171 रिपब्लिकन और 124 डेमोक्रेट। बता दें कि यह कदम राष्ट्रपति को उन विदेशी कंपनियों पर बैन लगाने का अधिकार देगा जो ईरान से तेल, कंडेनसेट या दूसरे पेट्रोलियम या पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट की प्रोसेसिंग, रिफाइनिंग, एक्सपोर्ट, ट्रांसफर या बिक्री से जुड़े या उससे जुड़े किसी भी बड़े ट्रांजैक्शन में शामिल हैं। लॉलर ने इस बिल को ईरान की क्षेत्रीय गतिविधियों और वित्तीय नेटवर्क पर रोक लगाने की एक बड़ी कोशिश के हिस्से के तौर पर बनाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरानी सरकार को बैन से बचने और गैर–कानूनी तेल बेचकर आतंकवाद को पैसे देने की इजाजत नहीं देगा। उन्होंने कहा कि बहुत लंबे समय से, ईरान बैन किए गए तेल को लाने–ले जाने के लिए विदेशी बैंकों, बीमा कंपनियों और लॉजिस्टिक्स प्रोवाइडर्स के नेटवर्क पर निर्भर रहा है। यह कानून उस पूरे नेटवर्क को टारगेट करता है और यह पक्का करता है कि आतंकवाद के सबसे बड़े सरकारी स्पॉन्सर को फाइनेंस करने वालों को असली नतीजे भुगतने पड़ें। लॉलर ने कहा कि यह बिल सरकार को ईरान पर ज्यादा से ज्यादा दबाव डालने की इजाजत देगा। उन्होंने आगे कहा कि यह ईरान के गैर–कानूनी तेल व्यापार को बढ़ावा देने वालों, जिन्होंने उनके प्रॉक्सी को फंडिंग किया है, जिन्होंने उनके मिसाइल प्रोग्राम की फंडिंग की है, जिन्होंने उनके न्यूक्लियर लक्ष्यों और उनके यूरेनियम संवर्धन को फंडिंग की है पर बैन लगाने में मदद करेगा। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि यह कानून खास तौर पर तेल सप्लाई चेन में शामिल कई तरह के लोगों को टारगेट करता है। लॉलर ने कहा कि इसमें असल में कोई भी कंपनी शामिल है जिसने ईरानी तेल की प्रोसेसिंग, रिफाइनिंग, एक्सपोर्ट या ट्रांसफर से जुड़े किसी ट्रांजैक्शन में हिस्सा लिया हो। इसमें विदेशी बैंक, वित्तीय संस्थान, बीमा कंपनियां, फ्लैगिंग रजिस्ट्री और भी बहुत कुछ शामिल हैं। बिल के तहत पाबंदियों में अमेरिका में प्रॉपर्टी के लेन–देन को रोकना और ऐसी गतिविधियों से जुड़े लोगों को वीजा देने से मना करना शामिल हो सकता है। हालांकि, कानून के अंतिम रूप में एक जरूरी बदलाव शामिल है। यह राष्ट्रपति को पाबंदियां लगाने का अधिकार देता है। कांग्रेसी जॉर्ज लैटिमर ने इस बदलाव को ष्दुर्भाग्यपूर्णष बताया और कहा कि यह सरकार के कहने पर किया गया था। गौरतलब है कि बिल अब सीनेट में जाएगा, जहां एक संबंधित कानून पेश किया गया है, लेकिन अभी तक विदेश संबंध समिति ने इसे नहीं लिया है। बिल में लिखे गए शब्दों के अनुसार, इस उपाय का मकसद इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान से तेल, गैस, लिक्विफाइड नेचुरल गैस और उससे जुड़े पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स से जुड़े लॉजिस्टिकल लेन–देन में शामिल लोगों पर पाबंदियां लगाना है।

इसमें प्रॉपर्टी को रोकने, वीजा पर रोक लगाने और लागू करने में तालमेल बिठाने के लिए एक इंटर–एजेंसी वर्किंग समूह बनाने के नियम भी बताए गए हैं।

संक्षिप्त

राष्ट्रपति ट्रंप की चीफ ऑफ स्टाफ को ब्रेस्ट कैंसर, इलाज के दौरान भी छुट्टी नहीं लेंगी!

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की कि व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सुसी वाइल्स को प्रारंभिक अवस्था का ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला है। हालांकि वह इलाज के दौरान भी व्हाइट हाउस से काम जारी रखेंगी। ट्रंप ने इस जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने वाइल्स की तारीफ करते हुए कहा कि वे एक भरोसेमंद सलाहकार है। इसके साथ ही उनकी तेजी से ठीक होने की उम्मीद जताई। ट्रंप ने कहा, "सुसी वाइल्स एक अद्भुत चीफ ऑफ स्टाफ हैं, एक बेहतरीन इंसान हैं, और सबसे मजबूत लोगों में से एक हैं जिन्हें मैं जानता हूं। लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें प्रारंभिक अवस्था का ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला है। उन्होंने इस चुनौती को तुरंत स्वीकार करने का निर्णय लिया है, और तुरंत इलाज शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि वाइल्स पहले ही इलाज की तैयारी शुरू कर चुकी हैं और उनके पास एक मजबूत मेडिकल टीम का समर्थन है। ट्रंप ने कहा, "उनकी मेडिकल टीम शानदार है इलाज के दौरान वह लगभग पूरा समय व्हाइट हाउस में बिताएंगी।श्श ट्रंप ने वाइल्स को प्रशासन में अपने सबसे भरोसेमंद सलाहकारों में से एक भी बताया। ट्रंप ने कहा, "उनकी शक्ति और उनकी प्रतिबद्धता, जो वे अपने काम को प्यार से और बेहतरीन तरीके से करती हैं, जबकि इलाज के दौरान भी काम कर रही हैं, आपको उनके बारे में सब कुछ बता देती हैं। ट्रंप ने कहा कि वाइल्स प्रशासन में एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं और उनकी टीम के लिए केंद्रीय भूमिका निभाती हैं।उन्होंने कहा, "सुसी, मेरी सबसे करीबी और महत्वपूर्ण सलाहकारों में से एक के रूप में, मजबूत हैं और अमेरिकी जनता की सेवा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।" ट्रंप ने कहा कि वे और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप वाइल्स के इलाज के दौरान उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, "मेलानिया और मैं हर तरह से उनके साथ हैं, और हम सुसी के साथ काम करने की उम्मीद करते हैं ताकि हमारे देश के लाभ के लिए कई बड़े और शानदार काम किए जा सकें।" व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने भी इस घोषणा के तुरंत बाद वाइल्स के समर्थन में एकजुटता दिखाई। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलाइन लीविट ने वाइल्स की नेतृत्व क्षमता और व्यक्तिगत गुणों की तारीफ की। उन्होंने कहा, "सुसी वाइल्स यह दिखाती हैं कि एक मजबूत नेता क्या होती हैं। वे सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं जिन्हें मैंने कभी देखा है।"

'मेरे और राष्ट्रपति के बीच मतभेद पैदा करना चाहते हैं?', पश्चिम एशिया को लेकर वेंस का चौंकाने वाला बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से जब उनके पश्चिम एशिया को लेकर पूर्व के बयान पर सवाल किया गया तो उन्होंने चौंकाने वाला जवाब देते हुए कहा कि क्या आप मेरे और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच मतभेद पैदा करना चाहते हैं? जेडी वेंस ने कहा कि पश्चिम एशिया को लेकर अमेरिकी प्रशासन के सभी सदस्य एकमत हैं और उन्हें राष्ट्रपति पर पूरा भरोसा है कि वे ईरान मामले को खत्म करेंगे। व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए जेडी वेंस से उनके पश्चिम एशिया को लेकर पिछले बयानों पर सवाल किया गया। जिस पर वेंस ने इन सवालों को टालते हुए कहा, श्आप प्रशासन के सदस्यों के बीच, मेरे और राष्ट्रपति के बीच फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रपति कहते रहे हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए और मैं उनसे सहमत हूं। वेंस ने कहा श्हमारे पास एक बुद्धिमान राष्ट्रपति हैं, जबकि पूर्व में हमारे पास मूर्ख राष्ट्रपति रहे हैं। मुझे राष्ट्रपति ट्रंप पर भरोसा है कि वे काम को पूरा करेंगे, अमेरिकी लोगों के लिए अच्छा काम करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि पूर्व की गलतियां दोहराई न जाएं। दरअसल जेडी वेंस ने अपने पूर्व के कई बयानों में कहा है कि अमेरिका को विदेशी संघर्षों में शामिल नहीं होने से बचना चाहिए। साथ ही साल 2023 में एक अखबार के संपादकीय में भी वेंस ने लिखा था कि ट्रंप इसलिए भी सफल रहे हैं क्योंकि उन्होंने अमेरिका को युद्धों में नहीं शामिल किया। साल 2024 में भी वेंस ने कहा था कि ईरान के साथ युद्ध अमेरिका के हित में नहीं है और यह संसाधनों को नुकसान पहुंचाने जैसा है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, अमेरिका की सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता टिमोथी हॉकिन्स ने बताया कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में सात देशों में अमेरिका के 200 के करीब सैनिक घायल हुए हैं। अब तक इस अभियान में 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो चुकी है। समय के साथ मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है क्योंकि कई सैनिक गंभीर रूप से घायल हैं।

ट्रंप बोले- करोड़ों का नुकसान मामूली कीमत, मैं शतरंज की इस बिसात पर शातिर खिलाड़ियों से निपट रहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन–प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 18वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक और बड़ा बयान सामने आया है। ट्रंप ने साफ कहा कि इस टकराव के कारण अगर शेयर बाजार में गिरावट आती है या करोड़ों डॉलर का आर्थिक नुकसान होता है तो यह वैश्विक सुरक्षा के सामने बहुत छोटी कीमत है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस पूरे संकट को उच्च स्तर की शतरंज की बिसात बताया, जहां वे बेहद चालाक और ताकतवर खिलाड़ियों से निपट रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

NRNA कॉन्फ्रेंस: पश्चिम एशिया में तनाव पर चिंता, प्रवासी नागरिकों से बोलीं नेपाल की पीएम- देश में करें निवेश

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल की निवर्तमान प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने दुनिया भर में रह रहे प्रवासी नेपालियों से एकजुट होने और देश की आर्थिक समृद्धि में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया है। काठमांडू में आयोजित गैर–आवासीय नेपाली संघ (एनआरएनए) के 12वें वैश्विक सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय आम सभा के समापन पर उन्होंने यह बात कही। सुशीला कार्की ने सोमवार को सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार अकेले देश के विकास के लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि नेपाल की प्रगति के लिए देश और विदेश में रहने वाले सभी नेपालियों का सहयोग, निवेश, ज्ञान और नए विचार (नवाचार) बहुत जरूरी हैं। श्हमारी एकता, समृद्धि का

आधारश विषय के तहत आयोजित इस तीन–दिवसीय सम्मेलन में दुनिया भर से नेपाली प्रवासियों के 1,000 से अधिक प्रतिनिधि और सदस्य एक साथ आए। एनआरएनए लगभग 80 लाख प्रवासी नेपालियों का एक बड़ा संगठन है। सम्मेलन के अंत में एक 12 सूत्रीय घोषणापत्र भी जारी किया गया। प्रधानमंत्री ने प्रवासी नागरिकों को नेपाल में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल आर्थिक विकास होगा, बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा और सतत विकास में भी मदद मिलेगी। सम्मेलन में पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध पर भी गहरी चिंता जताई गई। 28 फरवरी से अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू किए हैं, जिससे पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव फैल गया है। एनआरएनए ने अपने घोषणापत्र में कहा कि वे पश्चिम एशिया के देशों में रह रहे नेपालियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं। संगठन ने संकट के समय में वहां फंसे नेपालियों को राहत पहुंचाने, उन्हें बचाने और उनके पुनर्वास के लिए नेपाल सरकार और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया। प्रवासी समुदाय ने नेपाल सरकार से निवेश के लिए बेहतर कानूनी और नीतिगत माहौल बनाने की मांग की है। उन्होंने नागरिकता, विदेशी निवेश, आयकर और संपत्ति के लेन–देन से जुड़े कानूनों में बदलाव का सुझाव दिया है। संगठन ने जलविद्युत (हाइड्रोपावर), कृषि, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी और नवाचार पर आधारित उद्योगों को निवेश के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया है।

बौखलाहट में पाकिस्तान: अफगानिस्तान में अस्पताल को क्यों बनाया निशाना ? सेना की रणनीति या कमजोरी छिपाने की कवायद

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान की नापाक साजिशों ने वैश्विक मंच पर एक बार फिर उसके खतरनाक इरादों को उजागर कर दिया है। अफगानिस्तान के अस्पताल पर उसके तरफ से किए गए हमलों से एक बात तो साफ होती दिख रही है कि दवाब बनाने की साजिश में आतंकियों का पनाहगार पाकिस्तान इतना मसरूफ हो गया है कि निर्दोष लोगों की जान भी उसके लिए मामूली बन गई है। शायद इसलिए पाकिस्तान ने अब अफगानिस्तान के साथ जारी संघर्ष में अस्तपाल और आम नागरिकों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। मंगलवार तड़के अफगानिस्तान के अस्पताल पर पाकिस्तान की तरफ से किए गए हवाई हमले में लगभग 400 निर्दोष लोग मारे गए और 250 घायल हुए। इस हमले ने जहां एक तरफ पाकिस्तान की साजिशों को उजागर करते हुए कई सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं दूसरी ओर पूरे अफगानिस्तान में इस हमले ने डर और आक्रोश फैला दिया है। अधिकारियों के अनुसार, यह हमला अफगानिस्तान में पाकिस्तान की बढ़ती हस्तक्षेप नीति का संकेत भी माना जा रहा है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि फरवरी से जारी इस युद्ध में सीमा पर बार–बार झड़पें हुई हैं और पाकिस्तान ने तालिबान को दबाने के लिए हवाई ताकत का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है। वहीं इस हमले में हुए हताहत की जानकारी देते हुए अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता मंदुल्लाह फितरत ने बताया कि हमले के समय अस्पताल में करीब 2,000 लोग इलाज करा रहे थे। इस हमले के बाद बचाव कार्य और राहत अभियान जारी हैं, लेकिन हताहतों की संख्या बढ़ने की संभावना है। बता दें कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर युद्ध फरवरी से जारी है। पाकिस्तान ने अफगान तालिबान को दबाने के लिए हवाई शक्ति का भी इस्तेमाल किया। अफगान अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान जमीन पर युद्ध नहीं टिक सकता, इसलिए वह तालिबान पर दबाव डालने के लिए इस तरह के हमले कर रहा है। अस्पताल पर हमला एक संदेश माना जा रहा है कि तालिबान को बातचीत के लिए मजबूर किया जाए। अफगानिस्तान के उप–सरकारी प्रवक्ता मंदुल्लाह फितरत ने बताया कि राहत कार्य जारी हैं, आग बुझाई जा रही है और शवों को निकाला जा रहा है। अधिकारीयों का कहना है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। अफगान विशेषज्ञों के अनुसार, यह हमला पाकिस्तान की बड़ी भूल और गलती है, जिसने अफगान जनता को और अधिक एकजुट कर दिया है। हालांकि पाकिस्तान ने हमले में अपनी भूमिका से इनकार किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता ने कहा कि अफगानिस्तान के आरोप गलत हैं और कोई अस्पताल निशाना नहीं बना। पाकिस्तान का कहना है कि हमले का लक्ष्य तालिबान के सैन्य ठिकानों और आतंकियों के संसाधनों को नष्ट करना था। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी हमलों के बाद अफगानिस्तान में अब तक कम से कम 475 नागरिक मारे गए और 1,15,000 लोग विस्थापित हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान अफगानिस्तान के मौजूदा शासन को खत्म करना चाहता है और नागरिकों को निशाना बनाकर तालिबान का समर्थन कम करने की कोशिश कर रहा है। गौरतलब है कि जारी इस संघर्ष के बीच विशेषज्ञों का कहना है कि यह हमला अफगान जनता और तालिबान के बीच एकजुटता बढ़ा सकता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अफगान लोग अपने बच्चों को लेकर भी सीमा पर लड़ने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान का उद्देश्य अफगान नागरिकों को डराकर तालिबान का समर्थन रोकना है, लेकिन इसके विपरीत अफगान जनता और मजबूत हो रही है। इस हमले ने पूरे क्षेत्र की स्थिति को और अस्थिर कर दिया है और अफगानिस्तान में आम नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पिता के साथ जा सकती थी मोजतबा खामेनेई की जान?: अमेरिका-इस्राइल के हमले में बाल-बाल बचे थे, रिपोर्ट में खुलासा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन–प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 18वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी बीच ईरान में हाल ही में हुए एक बड़े मिसाइल हमले को लेकर चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त मिसाइल हमले में कुछ ही सेकंड से बच गए। रिपोर्ट के मुताबिक, हमला उस समय हुआ जब वे अपने आवास से बाहर निकलकर बगीचे की ओर चले गए थे। इसी दौरान मिसाइलें उनके परिसर पर आ गिरीं। इस हमले में उनके पिता और ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई वरिष्ठ अधिकारी और रिश्तेदारों की मौत हो गई। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह जानकारी ईरानी अधिकारियों की एक निजी बैठक की कथित लीक हुई ऑडियो रिकॉर्डिंग से सामने आई है। इसमें खामेनेई कार्यालय के प्रोटोकॉल प्रमुख मजाहिर हुसैनी ने बताया कि हमले से कुछ पल पहले मोजतबा खामेनेई किसी काम से बाहर चले गए थे। उन्होंने कहा कि मोजतबा बगीचे में थे और वापस ऊपर की ओर जा रहे थे, तभी इमारत पर मिसाइल हमला हो गया। इस वजह से वे बड़ी दुर्घटना से बच गए। रिपोर्ट के अनुसार, परिसर पर कम से कम तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं। एक मिसाइल उस हिस्से पर गिरी जहां अली खामेनेई मौजूद थे, जबकि दूसरी मिसाइल उस मंजिल पर गिरी जहां मोजतबा का निवास था।बताया गया कि इस हमले में मोजतबा खामेनेई को पैर में हल्की चोट आई, लेकिन वे सुरक्षित बच गए।

ईरान और वेनेजुएला के खिलाफ हमलों से भी नहीं भरा ट्रंप का मन, अब एक और देश पर हमले की कर रहे तैयारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला पर हमला कर उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने और ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का युद्धोन्माद अभी भी खत्म नहीं

हुआ है। सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने वामपंथी देश क्यूबा पर भी हमले की अपनी योजना सार्वजनिक की। दरअसल अमेरिका द्वारा क्यूबा की नाकेबंदी की गई है, जिसके चलते वहां तेल नहीं पहुंच पा रहा है और इस कारण क्यूबा में पावर ग्रिड बुरी तरह से बाधित है और बिजली आपूर्ति बाधित है और क्यूबा का अधिकांश हिस्सा अंधेरे में है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए कहा, श्मेरा मानना है कि क्यूबा पर कब्जे का सम्मान मैं ही लूंगा और क्यूबा पर कब्जा करना या उसे आजाद कराना, ये एक बड़ा सम्मान होगा।श ट्रंप ने कहा श्मैं क्यूबा को आजाद भी करा सकता हूं और उस पर कब्जा भी कर सकता हूं। मैं इसके साथ जो चाहूं वो कर सकता हूं। क्यूबा अभी बहुत कमजोर स्थिति में है। ट्रंप प्रशासन द्वारा क्यूबा पर आर्थिक दबाव बनाया जा रहा है ताकि क्यूबा को आर्थिक रूप से अमेरिका पर निर्भर बनाया जा सके। बीते 67 वर्षों के अपने एकदलीय शासन में क्यूबा पहली बार भारी दबाव में लग रहा है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप प्रशासन क्यूबा के राष्ट्रपति को सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहा है। क्यूबा संकट की शुरुआत इसी साल 3 जनवरी से हुई, जब क्यूबा के सहयोगी देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका ने सत्ता से बेदखल कर दिया। अमेरिका ने हमला कर मादुरो को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद अमेरिका ने क्यूबा की भी नाकेबंदी कर दी, जिससे क्यूबा में तेल आपूर्ति बाधित हो गई है। ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा था कि क्यूबा अमेरिका के साथ समझौता करना चाहता है। यह समझौता ईरान युद्ध के बाद हो सकता है।

होर्मुज में तनाव से सहमा श्रीलंका: ईंधन बचाने के लिए कड़े नियम लागू, अब हफ्ते में चार दिन ही काम

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की सरकार ने देश में काम के दिनों को घटाकर हफ्ते में केवल चार दिन करने का फैसला लिया है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के लंबे समय तक चलने की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। सरकार का मुख्य मकसद देश में मौजूद ईंधन (फ्यूल) के सीमित भंडार को बचाना है। दरअसल, अमेरिका और इस्राइल के साथ चल रहे युद्ध के जवाब में ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।